हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

# मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 312 बेमेतरा, बुधवार 08 जुलाई 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 1 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

## पहला कॉलम

### प्रेम-विवाह के बाद कार और पैसे की मांग; 72 दिन बाद पत्नी की मौत

**नईदिल्ली।** दिल्ली की लोधी कॉलोनी इलाके में 28 वर्षीय नवविवाहिता आकृति सुतार की तीसरी मंजिल से गिरकर हुई मौत के मामले में पुलिस ने उसके पति अरस्तु सिक्का (32) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि महिला के परिजनों ने घटना को आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या बताया है और उसके पति समेत ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना और हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। आकृति की मां ने पुलिस के सामने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। संगम विहार निवासी आकृति ने इसी साल 24 अप्रैल को पुष्प विहार निवासी अरस्तु से प्रेम विवाह किया था। शादी के लिए दोनों परिवार रजामंद थे। आकृति छतरपुर स्थित एक कंपनी में सेल्स एक्जीक्यूटिव थीं। वह शनिवार सुबह कार्यालय गई और शाम साढ़े 7 बजे पता चला कि आकृति की तीसरी मंजिल से गिरकर मौत हो गई है। आकृति का शव ससुराल से 15 किलोमीटर दूर नगर महापालिका की सोसाइटी में मिला है, जहां से उसका कोई वास्ता नहीं।

### बेंगलुरु में इसरो मुख्यालय को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

**बेंगलुरु।** कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में स्थित अत्यंत संवेदनशील भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के मुख्यालय अंतरिक्ष भवन को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पुलिस ने बताया कि धमकी इसरो के आधिकारिक ईमेल पर रविवार रात 9 बजे भेजी गई है, जिसे सुबह 10:45 बजे इसरो के कर्मचारियों ने देखा। धमकी की जानकारी मिलते ही पुलिस और सुरक्षा बलों को सूचना दी गई, जिसके बाद पूरे परिसर में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, अंग्रेजी में लिखे ईमेल में दावा था कि इसरो मुख्यालय के अंदर बम लगाया गया है, जो दोपहर 2 बजे तक विस्फोट हो जाएगा। इसके बाद पूरे स्टाफ को बाहर निकाला गया और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वाड और पुलिस ने गहन तलाशी ली, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस ने पीन्या औद्योगिक क्षेत्र में स्थित इसरो टेलीमेट्री ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क कार्यालय में भी एहतियाती जांच की थी।

### सहकारी क्षेत्र के लिए नई जीवन बीमा कंपनी बनाएगी सरकार

**नईदिल्ली।** केंद्र सरकार सहकारी क्षेत्र के लिए नई जीवन बीमा कंपनी बनाएगी। केंद्रीय सहकारिता एवं गृह मंत्री अमित शाह ने इस बात की घोषणा की है। इसका उद्देश्य सहकारी संस्थाओं की वित्तीय सेवाओं तक पहुंच बढ़ाना और इस क्षेत्र को मजबूत बनाना है। उन्होंने मंत्रालय के स्थापना दिवस कार्यक्रम में कहा कि सरकार सहकारी संस्थाओं को खेती और डेयरी से आगे बढ़ाकर नए क्षेत्रों में भी अवसर देना चाहती है, ताकि उनकी भागीदारी लगातार बढ़ सके। केंद्र सरकार ने बताया कि भारत टैक्सी योजना को अच्छा समर्थन मिला है और अगले दो वर्षों में इसे 500 शहरों तक पहुंचाने की तैयारी है। इसके साथ ही 50,000 प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों को डिजिटल बनाकर ई- पीएसीएस में बदला जाएगा।

### रक्षा और समुद्री सुरक्षा पर महामंथन,ड्रैगन की बढ़ेगी टेंशन!

# प्रधानमंत्री मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान....

नई दिल्ली/ एजेंसी

इंडोनेशिया ने पीएम मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान ÒBintang Adipurna of the Republic of IndonesiaÓ से सम्मानित किया। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने खुद इस सम्मान की घोषणा की, जिसे पीएम मोदी ने 140 करोड़ भारतीयों और दोनों देशों के बीच के सदियों पुराने आत्मीय संबंधों को समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने इस दौरान राष्ट्रपति प्रबोवो के उस विशेष भाव की भी सराहना की, जिसमें उन्होंने कूटनीतिक प्रोटोकॉल को किनारे रखकर खुद एयरपोर्ट पहुंचकर उनका स्वागत किया था। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ हुई द्विपक्षीय वार्ता में पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत-इंडोनेशिया की साझेदारी में एक सुनहरे अध्याय की शुरुआत हो रही है, जिसका असर पूरी मानवता पर पड़ेगा। दोनों नेताओं के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई गति देने पर जोर रहा। गौरतलब है कि साल 2018 में दोनों देशों के संबंधों को रणनीतिक स्तर तक पहुंचाया गया था और यह दर्जा मिलने के बाद पीएम मोदी की यह पहली द्विपक्षीय इंडोनेशिया यात्रा है। इस बैठक के दौरान रक्षा, समुद्री सहयोग, क्रिटिकल मिनरल्स, खाद्य सुरक्षा और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे अहम क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर गहन चर्चा हुई। भारत और इंडोनेशिया, दो करीबी समुद्री पड़ोसी होने के नाते, हिंद महासागर में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं। पीएम मोदी ने घोषणा की कि दोनों देशों के कोस्ट गार्ड अब समुद्री सुरक्षा के लिए आपसी तालमेल बढ़ाएंगे। इसके अलावा, रक्षा आदान-प्रदान, आपदा प्रबंधन और औद्योगिक सहयोग को मजबूत करने पर भी सहमति बनी है। 'ब्लू इकोनॉमी', बंदरगाह विकास और समुद्री व्यापार में आपसी निवेश को बढ़ाना दोनों देशों की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल है। वार्ता के दौरान भारत ने अपनी सफल जनकल्याणकारी योजनाओं, जैसे मिड-डे मील और सार्वजनिक वितरण प्रणालीसे जुड़े समाधान इंडोनेशिया के साथ साझा किए। स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक बड़ा समझौता हुआ है, जिसके तहत इंडोनेशिया के नागरिकों के लिए अब अच्छी क्वालिटी की और सस्ती भारतीय दवाएं आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी। इसके साथ ही, भारत इंडोनेशिया के डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की क्षमता निर्माण में भी सक्रिय योगदान देगा। राजनीतिक और आर्थिक वार्ता के अलावा, दोनों नेताओं ने सांस्कृतिक संबंधों पर भी विशेष ध्यान दिया।

### पीएम मोदी ने करोड़ों भारतीयों को समर्पित किया यह सम्मान...

पुरस्कार स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा, यह सम्मान केवल मेरा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों का है। यह इंडोनेशिया के लोगों की भावनाओं और हमारे दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक और गहरे संबंधों को दर्शाता है। मैं राष्ट्रपति प्रबोवो, इंडोनेशिया सरकार और यहां के निवासियों का हृदय से धन्यवाद करता हूं। दोनों नेताओं ने संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान भारत और इंडोनेशिया के बीच 'स्वर्ण युग' की शुरुआत पर चर्चा की। पीएम मोदी ने कहा कि भारत 'इंडोनेशिया इमास' (स्वर्ण इंडोनेशिया) और विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। लोकतांत्रिक मूल्यों और 'विविधता में एकता' को दोनों देशों की साझा ताकत बताते हुए पीएम ने कहा कि चुनाव आयोगों के बीच होने वाला समझौता हमारे लोकतांत्रिक सहयोग को और मजबूत करेगा। यह पीएम मोदी की इंडोनेशिया की चौथी यात्रा है और 2018 में 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' के बाद पहली द्विपक्षीय यात्रा है।

### मैक्रों की सुरक्षा में बड़ी चूक!

# एक के बाद एक धमाकों से दहला सीरिया,होटल के पास ब्लास्ट....

नई दिल्ली/ एजेंसी

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की सीरिया यात्रा के दौरान मंगलवार को राजधानी दमिश्क में एक के बाद एक कई विस्फोट हुए। बताया जा रहा है कि ये विस्फोट उस वक्त हुए जब राष्ट्रपति मैक्रों सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा से मुलाकात के लिए राष्ट्रपति भवन पहुंचे थे, उसी दौरान उनके ठहरने वाले 'फोर सीजन्स होटल' के पास कई विस्फोटक फट गए। सीरियाई मीडिया के अनुसार, राजधानी के मध्य इलाके में दो जोरदार धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। घटनास्थल पर धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एक वाहन में आग लगी हुई नजर आ रही है, जबकि सड़क पर खून के धब्बे भी साफ दिख रहे हैं। हालांकि अभी तक विस्फोटों में हताहतों की संख्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। वहीं, न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने सुरक्षा सूत्रों के हवाले से बताया कि मैक्रों जिस होटल में ठहरे हुए हैं, उसके आसपास कई विस्फोटक उपकरण फटे। धमाकों के बाद आसपास की सड़कों को सील कर दिया गया है और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। फ्रांस की राष्ट्रपति कार्यालय एलिसी के बयान के अनुसार, मैक्रों सुबह राष्ट्रपति भवन में बैठक के लिए होटल से निकल चुके थे। उसके बाद यह घटना हुई बता दें कि राष्ट्रपति मैक्रों सोमवार को सीरिया पहुंचे थे। वे 2024 में बशर अल-असद के शासन के पतन के बाद देश का दौरा करने वाले यूरोपीय संघ के पहले नेता हैं। उनके साथ फ्रांसीसी कारोबारी प्रतिनिधिमंडल भी है, जिसमें सीएमए-सीजीएम के रोडोल्फ साडे और टोटलएनर्जीज के पैट्रिक पॉयाने शामिल हैं।

### 'वेस्ट टू वेल्थ' का विजन

# दिल्ली की बसें कचरे से बनी हाइड्रोजन पर दौड़ेंगी-नितिन

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि भविष्य में दिल्ली की बसें नगर निगम के कचरे से तैयार हाइड्रोजन ईंधन पर दौड़ सकती हैं। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि यह तकनीक पूरी तरह संभव है और आने वाले समय में इसे बड़े स्तर पर लागू किया जा सकता है। सोमवार को एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा, यह सब मुमकिन है। पिछले 50 वर्षों में ऐसा कभी नहीं हुआ कि मेरी कोई भविष्यवाणी सच साबित न हुई हो। उन्होंने कहा कि कचरे को समस्या नहीं, बल्कि संसाधन के रूप में देखा जाना चाहिए और आधुनिक तकनीक के जरिए उससे स्वच्छ ईंधन तैयार किया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सरकार का लक्ष्य कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन को बढ़ावा देना और उससे उपयोगी उत्पाद तैयार करना है। उन्होंने कहा कि नगर निगम के ठोस कचरे से हाइड्रोजन, बायो-सीएनजी और अन्य वैकल्पिक ईंधन बनाए जा सकते हैं, जिससे प्रदूषण कम होगा और स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा मिलेगा। गडकरी ने यह भी जानकारी दी कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2027 तक देशभर में कचरे के प्रभावी निस्तारण और उसके वैज्ञानिक उपयोग को लेकर व्यापक योजना तैयार की है।

### कचरे से भी कमाई की अपार संभावनाएं

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कचरे से आय बढ़ाने की संभावनाओं पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि उनके संसदीय क्षेत्र में नगर निगम ट्रीट किए गए सीवेज (गंदे) पानी की बिक्री से हर साल करीब 325 करोड़ रुपये की कमाई कर रहा है। गडकरी ने कहा कि यदि कचरे और अपशिष्ट जल का वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन किया जाए।, तो यह केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम ही नहीं, बल्कि नगर निकायों के लिए आय का बड़ा स्रोत भी बन सकता है।

### दिल्ली के सरकारी अस्पताल में डॉक्टर ने जान दी, महिला डॉक्टर से प्रेम-प्रसंग बना कारण

**नईदिल्ली।** दिल्ली के सिविल लाइंस स्थित अरुणा आसफ अली अस्पताल में एक वरिष्ठ डॉक्टर ने आत्महत्या कर ली है। उनकी पहचान डॉ सिमरप्रीत सिंह आनंद (35) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह अस्पताल के कमरे में डॉक्टर का शव मिला था। डॉक्टर सिंह यहां एनेस्थीसिया विभाग में तैनात थे। पुलिस ने बताया कि उनके पास से 3 पन्नों का एक सुसाइड नोट और एक डायरी बरामद हुई है। इसमे आत्महत्या का कारण बताया गया है।

### रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

# केरल के वायनाड में मीनाक्षी पुल के पास भारी भूस्खलन से 3 लोगों की मौत कई लोग घायल

**नई दिल्ली।** केरल के वायनाड जिले में एक बहुत ही भीषण प्राकृतिक आपदा सामने आई है। भारी बारिश के कारण मेप्पाडी इलाके में मीनाक्षी पुल के पास भूस्खलन हुआ है जिसमें भारी तबाही मची है। पहाड़ी का एक बहुत बड़ा हिस्सा अचानक ढहकर सड़क और पास बहने वाली नदी में पूरी तरह से गिर गया है। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है और प्रशासन द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है। घटना सुबह करीब 10 बजे की है जब वहां मजदूर एक

टनल निर्माण के काम में लगे हुए थे। कललाडी इलाके में पुल के पास टनल की खुदाई के कारण वहां मिट्टी का एक बहुत बड़ा टीला बन गया था। लगातार हो रही तेज बारिश की वजह से यह विशाल टीला और आसपास की पहाड़ी का हिस्सा बुरी तरह से दरक गया। आपदा मोचन बल और स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर मलबे में फंसे लोगों को निकालने के काम में जुटी है। पहाड़ी से गिरे मलबे के ठीक नीचे प्रवासी मजदूरों के रहने के लिए एक टेम्प्रेरी कैम्प बहुत पहले बनाया गया था। इसके साथ ही वहां 2 बसों में स्थानीय मजदूरों को भी टनल के निर्माण कार्य के लिए विशेष रूप से लाया गया था। अचानक हुए इस भूस्खलन की पूरी चपेट में ये दोनों बसें और मजदूरों का वह टेम्प्रेरी कैम्प पूरी तरह से आ गए हैं।

लाल किला धमाका मामले के आरोपियों को नई दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट कॉम्प्लेक्स में एनआईए कोर्ट के सामने पेश किया जा रहा है।

### धीरज धर्म मित्र अरु नारी

# चंपत राय बोले-मौन धारण किया है,सच सामने आएग

नई दिल्ली/ एजेंसी

अयोध्या स्थित भगवान राम मंदिर में दान चोरी मामले में ट्रस्ट के महासचिव पद से इस्तीफे के बाद पहली बार चंपत राय प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने चंपत राय की पाती रामभक्तों के नाम एक पत्र जारी किया। पत्र में उन्होंने चढ़ावा चोरी को लेकर खुद पर लगे आरोपों को निराधार बताया है। साथ ही समय आने पर जवाब देने की भी बात कही। चंपत राय ने अपने एक्स हैंडल पर पत्र साझा किया। उन्होंने श्रीरामचरितमानस की चौपाई धीरज धर्म मित्र अरु नारी, आपद काल परिखिअहिं चारी। लिखकर पत्र साझा किया। पत्र में राय ने लिखा, पिछले 7 जून 2026 से श्री रामजन्मभूमि मन्दिर परिसर के दानपात्र की गणना के समय की गयी चोरी के सम्बन्ध में अनेक प्रकार की चर्चाएं चल रही हैं, व्यक्तिगत मेरे ऊपर अनेकों ने अनर्गल आरोप लगाए हैं, मैंने मौन धारण कर लिया है। चंपत राय ने अपने ऊपर लगे आरोपों पर जवाब को लेकर पत्र में लिखा कि मन्दिर ट्रस्ट की 6 जुलाई को संपन्न बैठक में एसआईटी की प्राथमिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी, यह रिपोर्ट अब सार्वजनिक हो चुकी है।

### 18 साल बाद इंसाफ!

# अहमदाबाद ब्लास्ट के 38 दोषियों की फांसी बरकरार

गुजरात/ एजेंसी

गुजरात हाईकोर्ट ने 2008 के दिल दहला देने वाले सीरियल बम धमाकों के मामले में अपना एक बहुत ही ऐतिहासिक और बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने विशेष कोर्ट के उस पुराने फैसले पर अपनी पूरी मुहर लगा दी है, जिसमें 38 आतंकियों को मौत की सजा मिली थी। यह पूरा मामला साल 2008 का है जब पूरे शहर में एक के बाद एक कई भयंकर बम धमाके हुए थे और लोग पूरी तरह से दहल गए थे। अब 18 साल के लंबे दर्द और भारी इंतजार के बाद पीड़ितों के परिजनों को अदालत से बहुत बड़ी राहत और पक्का न्याय आखिरकार मिल गया है। अदालत ने फांसी की सजा पाने वाले 38 दोषियों के साथ-साथ 11 अन्य खतरनाक आतंकियों की आजीवन कारावास की सजा को भी पूरी तरह बरकरार रखा है। इसके अलावा हाईकोर्ट ने सभी निर्दोष पीड़ितों के लिए एक बड़े और उचित मुआवजे का भी बहुत ही स्पष्ट आदेश अपनी तरफ से जारी किया है। धमाकों में मारे गए कुल 56 लोगों के दुखी परिवारों को सरकार की तरफ से 10-10 लाख रुपये की आर्थिक मदद तुरंत दी जाएगी। वहीं इस खौफनाक आतंकी हमले में घायल हुए 200 से ज्यादा लोगों को भी 1-

1 लाख रुपये का मुआवजा बहुत ही जल्द दिया जाएगा। यह पूरा भयानक मामला 26 जुलाई 2008 का है, जब पूरे शहर में केवल 70 मिनट के भीतर कुल 21 खौफनाक बम धमाके लगातार हुए थे। आतंकियों ने इन सभी बमों को साइकिल पर रखे छोटे टिफिन बॉक्स के अंदर बहुत ही चालाकी और पूरी साजिश के साथ छिपाकर रखा था। हमलावरों ने शहर की भीड़भाड़ वाली बसों, व्यस्त बाजारों और यहां तक कि स्थानीय सिविल अस्पताल को भी अपना सीधा और क्रूर निशाना बनाया था।धमाकों के कुछ ही समय बाद अहमदाबाद के साथ-साथ सूरत शहर से भी पुलिस ने कई जिंदा बम सुरक्षित रूप से बरामद किए थे। खूंखार आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन ने इस पूरे कायराना और खौफनाक हमले की पूरी जिम्मेदारी बहुत ही खुलेआम अपने सिर पर ली थी। ऐसा बताया जाता है कि मासूम लोगों पर किए गए ये भयानक धमाके साल 2002 में हुए दंगों का बदला लेने के लिए रचे गए थे।

# 'Below Rate' टेंडरिंग का खेल : गुणवत्ता की बलि, भ्रष्टाचार को हरी झंडी और जनता के पैसों की बर्बादी पर रोक लगाने की लिए जिला पंचायत सदस्य बिनोद भारद्वाज ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

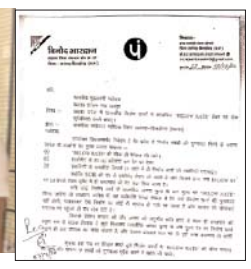

छत्तीसगढ़ में विकास कार्यों के नाम पर चल रहे 'बिलो रेट' (Below Rate) टेंडरिंग के काले खेल के खिलाफ अब जनप्रतिनिधियों ने सीधे मुख्यमंत्री के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है ।सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला पंचायत सदस्य बिनोद भारद्वाज ने सीधे सूबे के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर प्रदेश में हो रहे सरकारी निर्माण कार्यों की बदहाली का कच्चा चिट्ठा खोल दिया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि कम दाम पर टेंडर हथियाने की होड़ ने प्रदेश के विकास कार्यों को पहली नजर में ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया है।

**मुख्यमंत्री से सीधी गुहारः ÷रोकिए यह बिलो रेट का तमाशा**–कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजे गए इस तीखे पत्र में बिनोद भारद्वाज ने सीधे तौर पर व्यवस्था की खामियों को उजागर किया है। उन्होंने मांग की है कि छत्तीसगढ़ में शासकीय निर्माण कार्यों में अत्यधिक 'BELOW RATE' टेंडर प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाई जाए और इसकी अधिकतम सीमा को ही समाप्त कर दिया जाए। पत्रकारिता के धरातल पर देखें तो यह मांग केवल एक तकनीकी सुधार नहीं, बल्कि जनता की जेब पर डाका डालने वाली पूरी व्यवस्था के खिलाफ एक बड़ी बगावत है।

**तीन बिन्दुओं में समझिए पूरा 'महा-घोटाला'**–जिला पंचायत सदस्य ने पत्र में तीन मुख्य बिंदुओं के जरिए इस पूरे सिंडिकेट और उससे होने वाले नुकसान को रेखांकित किया है: एस्टीमेट से 20-30 प्रतिशत कम रेट पर खेलः अधिकारियों द्वारा नियमानुसार SOR (Schedule of Rates) की दर से एस्टीमेट तैयार किया जाता है, लेकिन ठेकेदारों द्वारा टेंडर हथियाने के लिए 20 से 30 प्रतिशत तक कम दर (Below Rate) डाल दी जाती है। विभाग इसे रा (Lowest Bidder) मानकर तुरंत स्वीकृत कर देता है। क्वालिटी से खुला समझौताः जब काम वास्तविक लागत से एक-तिहाई कम पैसे में अलॉट होगा, तो ठेकेदार अपनी जेब से पैसे नहीं लगाएगा। नतीजा यह होता है कि मात्र 1 साल के भीतर ही निर्माण कार्य पूरी तरह से धराशायी हो जाता है। धरातल पर दम तोड़ती योजनाएंः कागजों पर चमकने वाली सरकार की योजनाएं जैसे ही धरातल पर पहुंचती हैं, घटिया सामग्री और भ्रष्टाचार की वजह से दम तोड़ देती हैं। ÷वास्तविक लागत से कम में काम... यानी योजना का गला घोंटना÷ बिनोद भारद्वाज ने अपने पत्र में बेहद बेबाक और कड़े शब्दों का इस्तेमाल करते हुए लिखा हैः ÷यदि कोई निर्माण कार्य उसके वास्तविक लागत मूल्य से कम मूल्य पर (Below Rate) किया जाएगा, तो एक साधारण व्यक्ति भी यह भलीभांति समझ सकता है कि उस निर्माण कार्य की गुणवत्ता क्या होगी। फलस्वरूप, ऐसे निर्माण का कोई मतलब ही नहीं रह जाता।÷

उन्होंने आगे सीधे सरकार और अधिकारियों को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि वास्तविक लागत मूल्य से कम दर पर काम कराना सीधे तौर पर योजना का गला घोंटना है। इससे शासन और जनता दोनों को ऐसी अपूर्णीय क्षति हो रही है, जिसकी भरपाई नामुमकिन है। सिस्टम पर बड़ा सवालः क्या केवल कागजी आंकड़े चमकाना ही मकसद है? इस पत्र के सामने आने के बाद सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि जब विभाग को पता है कि कोई भी पुल, सड़क या भवन एस्टीमेट से 30त्न कम में नहीं बन सकता, तो फिर ऐसे टेंडर्स को मंजूरी क्यों दी जाती है? क्या अधिकारियों को केवल यह दिखाना होता है कि उन्होंने सरकार का पैसा बचा लिया? हकीकत यह है कि वह 'बचा हुआ पैसा' बाद में उसी घटिया निर्माण को दोबारा सुधारने और भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है।

# साइबर ठगी में इस्तेमाल होने वाले म्यूल अकाउंट पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, करोड़ों के ट्रांजेक्शन वाला आरोपी गिरफ्तार..

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

साइबर ठगी के खिलाफकार्रवाई करते हुए सिटी कोतवाली सारंगढ़ पुलिस ने म्यूल अकाउंट उपलब्ध कराने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के बैंक खाते से एक वर्ष के भीतर 2 करोड़ 71 लाख 75 हजार 719 रुपये का संदिग्ध लेनदेन सामने आया है। पुलिस के अनुसार इस खाते से जुड़े मामलों में देश के विभिन्न राज्यों में 56 साइबर शिकायतें दर्ज हैं।गिरफ्तार आरोपी की पहचान दिनेश बंजारे निवासी ग्राम ग्वालीनडीह, थाना सारंगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (ब्नहस्) की धारा 317(4) और 317(5) के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, पासबुक और मोबाइल सिम साइबर ठगों को कमीशन के बदले उपलब्ध कराया था। गृह मंत्रालय के साइबर पोर्टल, समन्वय पोर्टल और विभिन्न साइबर शिकायतों के विश्लेषण के दौरान यह बैंक खाता संदिग्ध पाया गया।पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह बैंक खाता उपलब्ध कराने के बदले कमीशन लेता था। पुलिस ने उसके कब्जे से बैंकिंग दस्तावेज, एटीएम कार्ड, मोबाइल फोन, सिम कार्ड तथा एक रॉयल एनफील्ड बुलेट मोटरसाइकिल जब्त की है।यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निमिषा पाण्डेय और एसडीओपी स्नेहिल साहू के मार्गदर्शन में की गई। पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रमोद यादव, उप निरीक्षक नरेंद्र मनहर तथा साइबर सेल और थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

### क्या होता है म्यूल अकाउंट?

म्यूल अकाउंट वह बैंक खाता होता है जिसका उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त रकम को एक खाते से दूसरे खाते में स्थानांतरित करने और उसकी वास्तविक स्रोत को छिपाने के लिए किया जाता है।

कई लोग कमीशन के लालच में अपने बैंक खाते अपराधियों को उपलब्ध करा देते हैं, लेकिन ऐसा करना स्वयं भी गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी परिस्थिति में अपना बैंक खाता, एटीएम या सिम कार्ड किसी अन्य व्यक्ति को उपयोग के लिए न दें।

# दिव्यांग तारामती को मिला मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल का सहारा,अब होगी आवाजाही और आजीविका आसान

बलौदाबाजार-

भाटापारा/मूक पत्रिका

**ताराचंद कठोत्रे** /जिले के केसला निवासी दिव्यांग तारामती जायसवाल, जो घर पर रहकर सिलाई का कार्य कर अपने परिवार का सहयोग करती हैं, उन्हें कलेक्टर जनदर्शन के माध्यम से बड़ी राहत मिली है। जनदर्शन में पहुंचकर उन्होंने अपनी समस्या कलेक्टर कुलदीप शर्मा के समक्ष रखी। उनकी समस्या को गंभीरता से सुनते हुए कलेक्टर श्री शर्मा ने समाज कल्याण विभाग को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। निर्देशों के पालन में विभाग द्वारा उन्हें मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराई गई। मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल मिलने से अब तारामती जायसवाल को आने-जाने में काफी सुविधा होगी, जिससे वे अपने सिलाई कार्य को भी अधिक सुगमता से संचालित कर सकेंगी। उन्होंने बताया कि पहले आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब यह सहायता उनके लिए आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। उन्होंने इस संवेदनशील पहल और त्वरित सहायता के लिए शासन - प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

# पर्यावरण संरक्षण की अनूठी मिसालः सिमगा की शिक्षिका ने बच्चों के साथ बनाए 'सीड बॉल

## कलेक्टर और सीईओ को भेंट कर जिला स्तर पर मिली सराहना

बलौदाबाजार-/मूक पत्रिका

**ताराचंद कठोत्रे** – पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के लिए जिला बलौदाबाजार-भाटापारा के विकासखंड सिमगा से एक बेहद सराहनीय और प्रेरणादायक खबर सामने आई है। शासकीय प्राथमिक शाला पौंसरी की एक शिक्षिका ने स्कूली बच्चों के सहयोग से बड़े पैमाने पर 'सीड बॉल' का निर्माण किया है। इस अनूठे नवाचार के जरिए उन्होंने न सिर्फ बच्चों को खेल-खेल में पर्यावरण का पाठ पढ़ाया, बल्कि पूरे जिले के सामने पर्यावरण जागरूकता की एक नई मिसाल पेश की है।शिक्षिका ने बच्चों के सहयोग से तैयार किए गए इन औषधीय और छायादार पौधों के सीड बॉल्स को कलेक्टर कुलदीप शर्मा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल को भेंट किया। अधिकारियों ने शिक्षिका के इस जमीनी प्रयास की जमकर सराहना की और इसे अन्य स्कूलों के लिए भी अनुकरणीय बताया। शिक्षिका भारती वर्मा ने बताया कि सीड बॉल मिट्टी, खाद और पौधों के बीजों को मिलाकर बनाई गई छोटी-छोटी गोलियां होती हैं। पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से इसका बहुत महत्व है । यह रोपण में बेहद ही आसान होता है। सीड बॉल को जमीन में गड्ढा खोदकर लगाने की जरूरत नहीं होती। इन्हें मानसून के दौरान खाली पड़े मैदानों, पहाड़ों या बंजर जमीनों पर सिर्फ फेंक दिया जाता है। बारिश का पानी पाते ही मिट्टी और खाद के आवरण में सुरक्षित बीज अंकुरित हो जाते हैं। खुले में फेंके गए बीजों को अकसर पक्षी या कीड़े खा जाते हैं, लेकिन मिट्टी और खाद की कोटिंग होने के कारण सीड बॉल के भीतर के बीज सुरक्षित रहते हैं। यह बहुत ही कम खर्चीला और प्रभावी तरीका है, जिससे बड़े पैमाने पर बंजर पड़े इलाकों को हरा-भरा बनाया जा सकता है। शासकीय प्राथमिक शाला पौंसरी की इस मुहिम की खास बात यह रही कि स्कूल के बच्चे ही मिट्टी और देसी खाद जुटाने में मदद की और उत्साहपूर्वक बीजों को मिट्टी में मिलाकर गोलियां तैयार कीं। इस गतिविधि से बच्चों में टीम भावना, प्रकृति के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी का अहसास विकसित हुआ है।

जब शिक्षिका इन सीड बॉल्स को लेकर जिला मुख्यालय पहुंचीं, तो कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ ने शिक्षिका और बच्चों के इस कदम को सराहा। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में शासकीय प्राथमिक शाला पौंसरी की यह गूंज अब अन्य शिक्षण संस्थानों को भी प्रेरित कर रही है। यदि हर स्कूल और गांव से इसी तरह की पहल शुरू हो जाए, तो आने वाले समय में जिले की हरियाली और पर्यावरण का भविष्य बेहद सुरक्षित होगा।

# समस्याओं से घिरा महापल्ली का आदर्श विद्यालय, प्राचार्य को बजानी पड़ती हैं घंटी, भृत्य विहीन है हायर सेकेंडरी स्कूल महापल्ली

रायगढ़/मूक पत्रिका

पूर्वांचल का एक मात्र पुरातन एवं आदर्श विद्यालय हेमसुन्दर गुप्त शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महापल्ली इन दिनों विभिन्न समस्याओं अव्यवस्थाओं से घिर गया है। यहां पर संचालित माध्यमिक विद्यालय शिक्षकों की कमी के कारण अध्यापन प्रभावित हो रहा है। मिडिल स्कूल प्रधान पाठक विहीन है वही 6 दृ1 की स्टाफमें मात्र 3 शिक्षक पदस्थ है। वही हायर सेकेंडरी स्कूल में प्यून के चार पद स्वीकृत है जिनमें एक पदस्थ है तथा तीन रिक्त है इसके बावजूद इस पदस्थ प्यून को रायगढ़ कलेक्ट्रेट में अटैच कर दिया गया है। विद्यालय प्यून विहीन हो गया है। माध्यमिक विद्यालय में पदस्थ प्यून से काम चलाया जा रहा है। कभी वह छुट्टी में चले जाएं तो प्राचार्य को घंटी बजाने पड़ते हैं। प्रयोग शाला सहायक के तीन पद स्वीकृत है जबकि एक ही पदस्थ है। ग्रंथपाल का पद भी रिक्त है वही स्कूल की रात्रि निगरानी के लिए चौकीदार के पद भी रिक्त हो गया है। हायर सेकेंडरी स्कूल में 420 से अधिक छात्र छात्राओं ने प्रवेश ले लिया है। उत्तम अध्यापन कार्य के कारण 12 वीं में लोकनाथ मेहर ने टॉप टेन में छठा स्थान हासिल किया जिससे विद्यालय की अध्यापन कार्य की सराहना की जा रही है। वही विभिन्न अव्यवस्था की सुधार कर दी जाय तो यह विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नित्य ऊंचाइयों को छूएगा।

**खंडहर में तब्दील हो रहा ग्रामीण आस्था का केंद्र पुरातन विद्यालय भवन'**–आम जन से एक-एक मुट्ठी चावल एकत्रित कर बनाए गए हायर सेकेंडरी स्कूल महापल्ली का पुरातन विद्यालय भवन अब जीर्ण शीर्ण हो गया है। चूंकि यहां अब स्कूल संचालित नहीं होता जिसके कारण देख रेख के अभाव में खंडहर में तब्दील होता जा रहा है। रायगढ़ विधायक एवं वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने इस धरोहर को संरक्षित करने को कहा था लेकिन फंड नहीं मिलने के कारण अब बारिश में ढहने लगा है। विधायक महोदय को इसे संरक्षित करने के लिए पहल करनी चाहिए।

# सुशासन तिहार के बाद भी नहीं थमी समस्याओं की कतार, जनदर्शन में फिर उमड़ रही जनता

## सारंगढ़ में शिकायतों का अंबार, समाधान की आस लेकर रोज कलेक्टर कार्यालय पहुंच रहे लोग

सारंगढ़/मूक पत्रिका

जिले में इन दिनों जनसमस्याओं का अंबार देखने को मिल रहा है। हालात ऐसे हैं कि हर सप्ताह बड़ी संख्या में लोग अपनी शिकायतों और मांगों को लेकर कलेक्टर जनदर्शन में पहुंच रहे हैं। कोई सड़क, बिजली और पेयजल की समस्या लेकर आ रहा है तो कोई राजस्व, पेंशन, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य शासकीय योजनाओं से जुड़ी परेशानियों के समाधान की गुहार लगा रहा है।

गौरतलब है कि कुछ समय पहले ही जिले में सुशासन तिहार के माध्यम से शासन-प्रशासन ने गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याएं सुनी थीं और त्वरित निराकरण का भरोसा दिलाया था। लेकिन अब एक बार फिर जनदर्शन में उमड़ रही भीड़ यह संकेत दे रही है कि कई समस्याएं अभी भी पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकी हैं। लगातार बढ़ती शिकायतें यह सवाल भी खड़ा कर रही हैं कि आखिर जमीनी स्तर पर समाधान की प्रक्रिया कितनी प्रभावी साबित हो रही है। वहीं, कलेक्टर लगातार जनदर्शन के माध्यम से लोगों की शिकायतें सुन रहे हैं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण के निर्देश भी दे रहे हैं। प्रशासन की कोशिश है कि प्रत्येक आवेदक को न्याय मिले और उनकी समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान हो। हालांकि, जनदर्शन में लगातार बढ़ती भीड़ यह साफ संदेश दे रही है कि जिले में मूलभूत सुविधाओं और विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याएं अभी भी बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। अब लोगों की नजर इस बात पर टिकी है कि शिकायतों का केवल पंजीयन ही नहीं, बल्कि उनका स्थायी और प्रभावी समाधान भी धरातल पर दिखाई दे।

**पुलिस मुख्यालय रायपुर के निर्देशन में बेमेतरा में 07 एवं 08 जुलाई को आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण**

# डायल-112 एक नंबर सब्बो बर के कुशल संचालन हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ

डीसीसी एवं ईआरवी वाहनों में स्थापित अत्याधुनिक उपकरणों के प्रभावी संचालन का दिया गया प्रशिक्षण

बेमेतरा, मुंगेली एवं बलौदाबाजार जिले के नोडल अधिकारियों, डीसीसी, ईआरवी, थाना एवं हाईवे पेट्रोलिंग स्टाफ ने लिया भाग।

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी डायल-112 ईआरवी योजना के अंतर्गत आम नागरिकों को त्वरित एवं प्रभावी पुलिस सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में हाईटेक ईआरवी (इमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल) वाहन प्रदाय किया गया था। इन अत्याधुनिक वाहनों के माध्यम से अब शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस सहायता और अधिक तेज, प्रभावी एवं तकनीक आधारित हो सकेगी। पुलिस मुख्यालय रायपुर के निर्देशन में डायल-112 ÷एक नंबर सब्बो बर÷ परियोजना के अंतर्गत 07 एवं 08 जुलाई 2026 को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन जिला पंचायत कार्यालय, बेमेतरा के सभा कक्ष में रखा गया हैं। प्रशिक्षण का उद्देश्य डायल-112 सेवा के अंतर्गत जिला नियंत्रण केंद्र (DCC) एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया वाहन (ERV) में स्थापित आधुनिक उपकरणों के कुशल एवं प्रभावी संचालन के संबंध में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करना है।

*बीते मंगलवार को कार्यशाला में पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश यादव की उपस्थिति में C-DAC रायपुर की प्रशिक्षण टीम के विनोद (सीनियर इंजीनियर), संकला केडिया (नेटवर्क इंजीनियर) एवं गोविंद तंवर (विजन प्लस) द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।*प्रशिक्षण में बेमेतरा, मुंगेली एवं बलौदाबाजार जिले के डायल-112 के नोडल अधिकारी, उप पुलिस अधीक्षक, रक्षित निरीक्षक, डीसीसी प्रभारी एवं स्टाफ, ईआरवी स्टाफ, थाना स्टाफ तथा हाईवे पेट्रोलिंग स्टाफ को डायल-112 प्रणाली में उपयोग किए जा रहे उपकरणों के संचालन, तकनीकी प्रक्रियाओं, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली तथा बेहतर समन्वय के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

*प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को डायल-112 सेवा को अधिक प्रभावी, त्वरित एवं तकनीकी रूप से सक्षम बनाकर आम नागरिकों को बेहतर आपातकालीन सहायता उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। कार्यशाला के दौरान पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को डायल-112 के माध्यम से प्राप्त आपातकालीन कॉल पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने रिस्पॉन्स टाइम पर विशेष ध्यान देने, घटनास्थल पर शीघ्र पहुंच सुनिश्चित करने तथा आम नागरिकों को बेहतर सेवा प्रदान करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही ड्यूटी के दौरान सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने पर विशेष बल दिया। एएसपी हरीश कुमार यादव ने आपातकालीन कॉल पर त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने, पीड़ितों को समय पर सहायता प्रदान करने तथा जनसुरक्षा से संबंधित मामलों में समन्वय एवं सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का, डीएसपी श्रीमती कौशिल्या साहू, डीएसपी श्रीमती शशिकला उईके, रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, रक्षित निरीक्षक बलौदाबाजार श्रीमती उषा ठाकुर, निरीक्षक सोनल ग्वाला, डीसीसी प्रभारी बेमेतरा निरीक्षक मयंक मिश्रा, डीसीसी प्रभारी मुंगेली सहायक उपनिरीक्षक सुरेश कश्यप, डीसीसी प्रभारी बलौदाबाजार सहायक उपनिरीक्षक कमल किशोर देवांगन, कंट्रोल रूम एवं डायल-112 बेमेतरा के दिलीप सिंह सहित बेमेतरा, मुंगेली एवं बलौदाबाजार जिले के डायल-112 सेवा से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

**जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की समीक्षा बैठक में समूह जलप्रदाय योजनाओं, फंड रिलीज, CIRP एवं 'हर घर जल' लक्ष्य की हुई विस्तृत समीक्षा**

# जल जीवन मिशन के कार्यों में गुणवत्ता एवं समय-सीमा से कोई समझौता नहीं, हर घर तक सुरक्षित पेयजल पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता : कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं

## कार्यों में विलंब करने वाली एजेंसियों पर होगी कार्रवाई, गुणवत्ता एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

कलेक्टर एवं जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की अध्यक्ष सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं की अध्यक्षता में बीते मंगलवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित एवं प्रस्तावित विभिन्न योजनाओं की प्रगति, समूह जलप्रदाय योजनाओं, फंड रिलीज, Comprehensive Implementation and Reform Plan (CIRP), 'हर घर जल' अभियान तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं समयबद्ध क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जल जीवन मिशन शासन की अत्यंत महत्वाकांक्षी एवं जनकल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार को नल के माध्यम से सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है। योजना के प्रत्येक कार्य में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, अनावश्यक विलंब अथवा गुणवत्ता से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। बैठक के दौरान जल जीवन मिशन अंतर्गत प्रस्तावित एवं प्रगतिरत समूह जलप्रदाय योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। योजनाओं की वर्तमान प्रगति, शेष कार्यों एवं समयबद्ध पूर्णता को लेकर अधिकारियों से जानकारी ली गई। साथ ही समूह जलप्रदाय योजनाओं के फंड रिलीज के अनुमोदन संबंधी प्रस्तावों पर चर्चा करते हुए आवश्यक स्वीकृतियों एवं वित्तीय प्रक्रियाओं को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए, ताकि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। समीक्षा के दौरान समय-सीमा में पूर्ण नहीं हो पा रही समूह जलप्रदाय योजनाओं की समयावधि (Time E&tension) से संबंधित प्रस्तावों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। कलेक्टर ने प्रत्येक प्रकरण की योजनावार समीक्षा करते हुए विलंब के कारणों की जानकारी ली तथा निर्देश दिए कि जहां तकनीकी अथवा प्रशासनिक कारणों से कार्य प्रभावित हुए हैं, वहां समस्याओं का त्वरित निराकरण कर कार्यों में अपेक्षित गति लाई जाए। बैठक में राष्ट्रीय जल जीवन मिशन (NJJM) द्वारा प्रदत्त Comprehensive Implementation and Reform Plan (CIRP) के क्रियान्वयन एवं अनुमोदन से जुड़े विषयों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीआईआरपी के अंतर्गत निर्धारित सभी गतिविधियों एवं सुधारात्मक उपायों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए तथा योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों की योजनावार समीक्षा करते हुए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, भौतिक एवं वित्तीय प्रगति, पाइपलाइन विस्तार, जल स्रोतों की उपलब्धता, जल गुणवत्ता परीक्षण तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि 'हर घर जल' अभियान के तहत प्रत्येक पात्र परिवार तक कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन (FHTC) एवं नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करना सभी संबंधित विभागों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। बैठक में कार्यदायी एजेंसियों एवं ठेकेदारों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन एजेंसियों अथवा ठेकेदारों द्वारा निर्धारित समय-सीमा के अनुरूप कार्य नहीं किया जा रहा है, उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने अधिकारियों को नियमित फील्ड निरीक्षण करने, कार्यों की गुणवत्ता की सतत जांच करने तथा प्रत्येक परियोजना की साप्ताहिक समीक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जल जीवन मिशन के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। जिन योजनाओं में किसी प्रकार की तकनीकी, प्रशासनिक अथवा अन्य बाधाएं हैं, उनका शीघ्र निराकरण कर कार्यों में तेजी लाई जाए ताकि जिले के प्रत्येक ग्रामीण परिवार को समय पर सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। बैठक के अंत में अध्यक्ष की अनुमति से अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई तथा जल जीवन मिशन से संबंधित विभिन्न प्रस्तावों पर आवश्यक निर्णय लिए गए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती प्रेमलता पदमाकर, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की ओर से कार्यपालन अभियंता जे.पी. गोंड कार्यपालन अभियंता जल संसाधन विभाग सी.एस. शिवहरे, सीएसपीडीसीएल के जे.एस. भटनागर, कृषि उपसंचालक एम.डी. डडसेना, सहायक सांख्यिकी अधिकारी राजकुमार वर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# स्कूल में जर्जर भवन बना हादसे का इंतजार, छज्जा गिरने से बढ़ी चिंता, बाल बाल बचे स्कूली बच्चे, बड़ी दुर्घटना टली

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

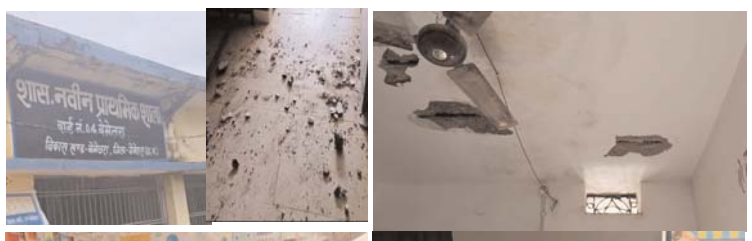

जिला मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 7 स्थित शासकीय प्राथमिक शाला बेमेतरा में बच्चों की पढ़ाई जर्जर भवन के साए में संचालित हो रही है। हाल ही तेज बारिश के चलते स्कूल भवन के एक हिस्से का छज्जा क्षतिग्रस्त होकर गिर गया, जिससे एक बड़े हादसे की आशंका और गहरा गई है। गनीमत रही कि घटना के समय कोई बच्चा उसकी चपेट में नहीं आया, अन्यथा गंभीर दुर्घटना हो सकती थी।

स्कूल भवन लंबे समय से जर्जर स्थिति में है। पांच कक्षाओं का संचालन केवल दो कमरों में किया जा रहा है, जिससे बच्चों और शिक्षकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में भवन की स्थिति और भी खराब हो जाती है। दीवारों से प्लास्टर झड़ता है, छत से पानी टपकता है, फर्श पर पानी भर जाता है और कई जगह बड़ी-बड़ी दरारें दिखाई देती हैं। ऐसे माहौल में छात्र-छात्राएं भय के बीच पढ़ाई करने को मजबूर हैं।

स्थानीय पालकों का कहना है कि बच्चों को शिक्षा के लिए स्कूल भेजा जाता है, लेकिन यहां उनकी सुरक्षा सबसे बड़ा सवाल बन गई है। उनका आरोप है कि संबंधित विभाग को कई बार जर्जर भवन की जानकारी दी गई, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया। बताया जाता है कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में मुख्यमंत्री जतन योजना के तहत स्कूल भवनों के मरम्मत कार्य के लिए करोड़ों रुपये स्वीकृत किए गए थे। इसके बावजूद कई स्कूलों के भवन आज भी बदहाल स्थिति में हैं। वार्ड क्रमांक 7 का यह स्कूल भी उन्हीं में से एक है, जहां समय पर मरम्मत नहीं होने से बच्चों की जान जोखिम में पड़ गई है।

बरसात के दौरान स्थिति और गंभीर हो जाती है। टपकती छत के कारण बच्चों की किताबें और कॉपियां भी भीग जाती हैं, फर्श गीला होने से पढ़ाई बाधित होती है और दुर्घटना का खतरा लगातार बना रहता है।

अब अभिभावकों और स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन तथा शिक्षा विभाग से मांग की है कि जर्जर भवन को तत्काल उपयोग से बाहर किया जाए तथा नए और सुरक्षित भवन का निर्माण या आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र कराया जाए, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से पहले बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

*मामले की जानकारी मिली है। स्कूल भवन का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी - कामिनी महिलांग, विकासखंड शिक्षा अधिकारी बेमेतरा*

*अस्मिता यादव, पालक ने बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए जल्द नया भवन उपलब्ध कराने की मांग की।*

*दीपक यादव , छात्र ने बताया कि बरसात में छत से पानी टपकता है और जर्जर भवन में पढ़ाई करने से डर लगता है।*

*भवन की जर्जर स्थिति की जानकारी विभाग को पहले भी दी जा चुकी है और शीघ्र समाधान की अपेक्षा है - नीलावती साहू, प्रधान पाठक, शासकीय प्राथमिक शाला वार्ड क्रमांक 7*

# सुशासन तिहार की सौगात बनी परेशानी! 80त्न दिव्यांग को मिली गुणवत्ताहीन बैटरी चालित ट्राई साइकिल, बदलने की लगाई गुहार

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

छत्तीसगढ़ शासन के सुशासन तिहार के तहत दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। लेकिन कई बार लाभार्थियों को मिली सामग्री की गुणवत्ता ही सवालों के घेरे में आ जाती है।

जिला बेमेतरा के ग्राम चारभाठा निवासी नागेंद्र कुमार टोडरे, जो 80 प्रतिशत दिव्यांग हैं, ने बताया कि उन्होंने सुशासन तिहार के दौरान आवेदन किया था। आवेदन के बाद समाज कल्याण विभाग बेमेतरा द्वारा उन्हें बैटरी चालित ट्राई साइकिल उपलब्ध कराई गई, लेकिन उनका आरोप है कि वाहन की स्थिति बेहद खराब है। उनका कहना है कि ट्राई साइकिल का लगभग हर पुर्जा ढीला है, जिसके कारण उसे सुरक्षित रूप से चलाना संभव नहीं है। इससे दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है और उन्हें इसका अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है।नागेंद्र कुमार ने छत्तीसगढ़ शासन, जिला प्रशासन एवं कलेक्टर बेमेतरा से समाचार के माध्यम से अपील करते हुए कहा है कि उनकी वर्तमान ट्राई साइकिल को बदलकर एक मजबूत एवं गुणवत्तापूर्ण बैटरी चलित ट्राई साइकिल अथवा थ्री-व्हीलर स्कूटी उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे अपने दैनिक कार्यों के लिए सुरक्षित और आत्मनिर्भर बन सकें।

उन्होंने आमजन से भी अनुरोध किया है कि उनकी इस मांग को अधिक से अधिक साझा करें, ताकि उनकी आवाज शासन-प्रशासन तक पहुंचे और उन्हें शीघ्र न्याय मिल सके। दिव्यांगजनों को योजनाओं का लाभ केवल उपलब्ध कराना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित उपकरण उपलब्ध कराना भी उतना ही आवश्यक है। यदि लाभार्थी को उपयोग योग्य सामग्री नहीं मिलती, तो योजना का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है।

# नंबी में वृद्ध की हत्या, धारदार हथियार से वार कर उतारा मौत के घाट

## आपसी रंजिश की आशंका, पुलिस ने शुरू की जांच

**बीजापुर/मूक पत्रिका**

**आशीष पदमवार।** उसूर थाना क्षेत्र के ग्राम नंबी के बंगालपारा में एक 60 वर्षीय वृद्ध की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। प्रथम दृष्ट्या हत्या के पीछे आपसी रंजिश की आशंका जताई जा रही है। पुलिस के अनुसार मृतक मुचाकी हुंगा पिता देवा हुंगा, निवासी नंबी बंगालपारा, अपने घर में अकेले रहते थे। सोमवार रात वे अपने छोटे पुत्र के घर भोजन करने के बाद वापस घर लौटे थे। मंगलवार सुबह उनका शव घर में पड़ा मिला, जिसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर उसूर थाना पुलिस ने घटनास्थल पहुंचकर पंचनामा सहित आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की और साक्ष्य एकत्र किए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। डीएसपी शरद जायसवाल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला आपसी रंजिश का प्रतीत हो रहा है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। संदिग्धों की तलाश जारी है और जल्द ही मामले का खुलासा किए जाने की उम्मीद है ।

# सुपोषण के लिए जनआंदोलन बनेगा 'सुपोषण वृक्ष-मुनगा' अभियान, महापौर ने लगाया मुनगा पौधा

## 222 आंगनबाड़ी केंद्रों में लगाए जाएंगे मुनगा के पौधे, कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ की दिशा में महत्वपूर्ण पहल,

**घर-घर मुनगा, हर घर मुनगा' का दिया संदेश, नागरिकों से अधिकाधिक पौधरोपण की अपील**

**दुर्ग/मूक पत्रिका**

कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ के निर्माण के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सुपोषण वृक्ष-मुनगा अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत नगर निगम क्षेत्र के सभी 222 आंगनबाड़ी केंद्रों में मुनगा के पौधों का रोपण किया जाएगा। इसका उद्देश्य मुनगा के पौष्टिक गुणों के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए इसे जनआंदोलन का स्वरूप देना है। इसी कड़ी में आज पोलसाय पारा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में महापौर अलका बाघमार ने मुनगा का पौधा रोपकर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्राकर, शेखर चन्द्राकर, नीलेश अग्रवाल, शशि साहू, पार्षद रंजीता पाटिल, सावित्री दमाहे, सुरूचि उमरे, सरिता चन्द्राकर, गौरव शर्मा, तेखन सिन्हा सहित जनप्रतिनिधि, महिला एवं बाल विकास विभाग की अधिकारी अनिता सिंह तथा विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि मुनगा को 'सुपोषण का वृक्ष' कहा जाता है। इसकी पत्तियों, फलियों एवं अन्य भागों में प्रचुर मात्रा में प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, विटामिन तथा अन्य आवश्यक पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसके नियमित उपयोग से बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं के स्वास्थ्य में सकारात्मक सुधार लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कुपोषण के खिलाफ यह अभियान केवल शासकीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी से सफल होने वाला सामाजिक अभियान है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वर्षा ऋतु पौधरोपण के लिए सबसे उपयुक्त समय है। प्रत्येक परिवार अपने घर, आंगन, खेत, विद्यालय एवं सार्वजनिक स्थलों पर मुनगा के पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प ले। 'घर-घर मुनगा, हर घर मुनगा' का संदेश जन-जन तक पहुंचाकर इस अभियान को जनआंदोलन बनाया जाए, ताकि स्वस्थ, सुपोषित और सशक्त छत्तीसगढ़ के निर्माण का लक्ष्य साकार हो सके।आज आंगनबाड़ी केंद्रों में तिथि न्योता भोज का आयोजन किया गया महापौर एवम उपस्थित जन प्रतिनिधियों ने बच्चों को खीर पुरी परोसा एवम सुपोषण किट वितरित किया।

**कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने राहत एवं आपदा प्रबंधन की समीक्षा बैठक लेकर अधिकारियों को दिए अलर्ट मोड में रहने के निर्देश**

# संभावित अतिवृष्टि एवं आपदा की स्थिति से निपटने जिला प्रशासन पूरी तरह तैयार

## बाढ़ संभावित क्षेत्रों पर विशेष निगरानी, आवश्यकता पड़ने पर ऊंचे एवं सुरक्षित भवनों में ठहराए जाएंगे प्रभावित परिवार

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

जिले में लगातार हो रही वर्षा तथा आगामी दिनों में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। संभावित अतिवृष्टि, बाढ़ एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राहत एवं आपदा प्रबंधन की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर सभी विभागों की तैयारियों का जायजा लिया।

बैठक में आपदा की स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य, विभागीय समन्वय, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता तथा नागरिकों की सुरक्षा को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

**जन सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, सभी अधिकारी रहें पूरी तरह सतर्क**-कलेक्टर ने कहा कि मानसून के दौरान किसी भी प्रकार की आपदा से निपटने के लिए सभी विभाग पूरी तत्परता एवं समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर स्थिति पर नजर रखने तथा संवेदनशील एवं बाढ़ संभावित क्षेत्रों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमानों पर सतत निगरानी रखी जाए तथा संभावित जोखिम वाले क्षेत्रों में समय रहते आवश्यक एहतियाती कदम उठाए जाएं, ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि अथवा संपत्ति की क्षति को न्यूनतम किया जा सके।

**जरूरत पड़ने पर ऊंचे एवं सुरक्षित स्थानों पर किया जाए लोगों का अस्थायी पुनर्वास**-कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि किसी गांव या क्षेत्र में बाढ़ अथवा जलभराव जैसी स्थिति निर्मित होती है और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने की आवश्यकता पड़ती है, तो प्रभावित परिवारों को ऐसे शासकीय विद्यालय, छात्रावास, सामुदायिक भवन अथवा अन्य सुरक्षित भवनों में ठहराया जाए, जो ऊंचे स्थान पर स्थित हों तथा जहां पानी भरने की संभावना न हो। राहत शिविरों में पेयजल, भोजन, शौचालय, विद्युत, स्वच्छता एवं प्राथमिक उपचार जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं पहले से सुनिश्चित रखने के निर्देश भी दिए गए।

**24म7 सक्रिय रहे कंट्रोल रूम, त्वरित राहत एवं बचाव पर विशेष जोर**-बैठक में जिला नियंत्रण कक्ष को चौबीसों घंटे सक्रिय रखने, किसी भी सूचना पर तत्काल राहत एवं बचाव दल को रवाना करने तथा सभी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि राहत एवं बचाव कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक अधिकारी अपने क्षेत्र में लगातार निगरानी बनाए रखे।

**राहत सामग्री, दवाइयों एवं आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश**-कलेक्टर ने खाद्य विभाग को पर्याप्त खाद्यान्न एवं आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता बनाए रखने, स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक दवाइयों, एम्बुलेंस एवं मेडिकल टीम तैयार रखने, पशुधन विभाग को पशुओं के उपचार एवं सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग को बांधों, एनीकटों एवं जलाशयों की सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग को संभावित आपदा की स्थिति में विद्युत आपूर्ति बहाल करने के लिए आवश्यक संसाधन एवं टीम तैयार रखने के निर्देश दिए गए।इसके साथ ही लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को पेयजल व्यवस्था, नगर निकायों को जल निकासी एवं साफ-सफाई, शिक्षा विभाग को आवश्यकतानुसार विद्यालय भवनों को राहत शिविर के रूप में तैयार रखने तथा राजस्व विभाग को राहत एवं पुनर्वास संबंधी सभी व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

**आपसी समन्वय से करें कार्य, संवेदनशील क्षेत्रों पर रखें विशेष नजर**-कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग एक-दूसरे के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करें तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित निर्णय लेते हुए राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता दें। नदी-नालों, पुल-पुलियों एवं जलभराव वाले क्षेत्रों में आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा ग्रामीण क्षेत्रों में मुनादी एवं जनजागरूकता के माध्यम से लोगों को सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया जाए।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती प्रेम, डिप्टी कलेक्टर, सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), जिला सेनानी एवं कमांडेंट होमगार्ड, सभी तहसीलदार, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, खाद्य अधिकारी, सिंचाई विभाग, पशुधन विकास विभाग, ऊर्जा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

# संपादकीय

## सरकार फिर ला सकती है नया संविधान संशोधन

पिछले वर्ष अगस्त में केंद्रीय गृहमंत्री ने संसद में यह विधेयक पेश किया था। हालांकि, विपक्षी दलों की ओर से उठाई गई कई आपत्तियों के बाद इसकी जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया गया था। देश की राजनीति में जवाबदेही और पारदर्शिता लाने के मसले पर लंबे समय से बहस चलती रही है, लेकिन अब तक कोई ऐसा खाका सामने नहीं आ सका है, ताकि सिर्फ स्वच्छ छवि के लोगों को ही जनप्रतिनिधि बनने का अवसर मिले। आए दिन संसद और विधानसभाओं में आपराधिक पृष्ठभूमि से आने के बावजूद चुने गए जनप्रतिनिधियों की बढ़ती संख्या को लेकर चिंता तो जताई जाती है, मगर उसके हल को लेकर कोई ठोस पहल नहीं होती। संविधान के तहत केवल दोषी ठहराए गए जनप्रतिनिधियों को ही पद से हटाया जा सकता है और इस संबंध में संवैधानिक पद पर बैठे नेताओं को लेकर कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है।इसी संदर्भ में केंद्र सरकार फिर से एक सौ तीसवें संविधान संशोधन विधेयक को संसद में पेश कर सकती है, जिसके तहत प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या अन्य मंत्रियों को पांच साल से ज्यादा सजा के प्रावधान वाले गंभीर अपराधों के लिए गिरफ्तार किए जाने और लगातार तीस दिनों तक हिरासत में रखे जाने पर पद से हटाने का प्रस्ताव है। अगर विधेयक की जांच के बाद संयुक्त संसदीय समिति इसे अपनी मंजूरी दे देती है, तो संसद के मानसून सत्र में इस पर बहस की संभावना है।गौरतलब है कि पिछले वर्ष अगस्त में केंद्रीय गृहमंत्री ने संसद में यह विधेयक पेश किया था। हालांकि, विपक्षी दलों की ओर से उठाई गई कई आपत्तियों के बाद इसकी जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया गया था, लेकिन कांग्रेस सहित ज्यादातर विपक्षी दलों ने अपनी चिंताओं को नजरअंदाज किए जाने की आशंका के मद्देनजर समिति का बहिष्कार कर दिया था।इसमें कोई दोराय नहीं कि भारतीय राजनीति में आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों का बढ़ता दखल आज एक गंभीर समस्या बन चुका है। मौजूदा कानूनी प्रावधानों के तहत तकनीकी जटिलताओं का लाभ उठाकर कई बार ऐसे लोग भी चुनकर संसद या विधानसभाओं में आ जाते हैं, जिन पर जघन्य अपराधों में शामिल होने का आरोप होता है। अक्सर सामने आने वाली रिपोर्ट में खासी संख्या में दागी जनप्रतिनिधियों के विधायिका में पहुंचने का ब्योरा होता है, जिस पर सभी दल चिंता जताते हैं, लेकिन ऐसे लोगों को टिकट न देने को लेकर किसी के भीतर कोई इच्छाशक्ति नहीं दिखती। दूसरी ओर, चुनाव आयोग भी इस मसले पर कोई स्पष्ट रुख अख्तियार नहीं करता है।इस लिहाज से देखें, तो सार्वजनिक जीवन में जवाबदेही बढ़ाने से लेकर लोकतंत्र में नैतिकता और शुचिता सुनिश्चित किए जाने के लिए एक सख्त नियमन वक्त की जरूरत है। मगर यह ध्यान रखने की जरूरत है कि नया कानून देश के लोकतांत्रिक ढांचे पर विपरीत प्रभाव डालने वाला न हो।

# भाई-बहन की जोड़ी मोदी-ताकाइची ने रचा इतिहास, हिंद प्रशांत में संतुलन की नई धुरी बने भारत-जापान

**भारत और जापान ने अपने विशेष सामरिक वैश्विक साझेदारी संबंधों को नई मजबूती देते हुए नई दिल्ली में आज कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची के बीच हुए वार्षिक शिखर सम्मेलन में आर्थिक सुरक्षा, रक्षा सहयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा, स्वास्थ्य, आपूर्ति श्रृंखला और हिंद प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता जैसे अहम मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। दोनों देशों ने साफ संकेत दिया कि बदलते वैश्विक हालात के बीच भारत और जापान अब केवल आर्थिक साझेदार नहीं, बल्कि एक दूसरे के भरोसेमंद रणनीतिक सहयोगी बनकर उभर रहे हैं।**

(नीरज कुमार दुबे )

जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री ताकाइची की यह भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है। राष्ट्रपति भवन में उनका भव्य स्वागत किया गया और दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय वार्ता के बाद साझा बयान जारी करते हुए संबंधों को और गहरा करने का संकल्प दोहराया।

भारत और जापान ने अपने विशेष सामरिक वैश्विक साझेदारी संबंधों को नई मजबूती देते हुए नई दिल्ली में आज कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची के बीच हुए वार्षिक शिखर सम्मेलन में आर्थिक सुरक्षा, रक्षा सहयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा, स्वास्थ्य, आपूर्ति श्रृंखला और हिंद प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता जैसे अहम मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। दोनों देशों ने साफ संकेत दिया कि बदलते वैश्विक हालात के बीच भारत और जापान अब केवल आर्थिक साझेदार नहीं, बल्कि एक दूसरे के भरोसेमंद रणनीतिक सहयोगी बनकर उभर रहे हैं।

हम आपको बता दें कि जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री ताकाइची की यह भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है। राष्ट्रपति भवन में उनका भव्य स्वागत किया गया और दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय वार्ता के बाद साझा बयान जारी करते हुए संबंधों को और गहरा करने का संकल्प दोहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने ताकाइची को अपनी छोटी बहन बताते हुए भारत और जापान के बीच बौद्ध सांस्कृतिक संबंधों का भी उल्लेख किया, विशेषकर जापान के नारा प्रांत से भारत के ऐतिहासिक जुाव को रेखांकित किया। वहीं ताकाइची ने भी मोदी को अपना बड़े भाई बताया और कहा कि दोनों देशों के संबंध अब एक नए चरण में प्रवेश कर रहे हैं।

वार्ता का सबसे महत्वपूर्ण पहलू आर्थिक सुरक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग रहा। दोनों देशों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में संयुक्त वक्तव्य जारी किया और भारतीय तथा जापानी संस्थानों के बीच कई समझौते हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जापान की सूक्ष्म तकनीकी क्षमता और भारत की साफ्टवेयर विशेषज्ञता का मेल वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकास को नई दिशा देगा। यह सहयोग केवल तकनीकी नहीं बल्कि सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि दुनिया में तकनीकी प्रतिस्पर्धा तेजी से भू राजनीतिक शक्ति संतुलन को प्रभावित कर रही है।

रक्षा क्षेत्र में भी दोनों देशों ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। भारत और जापान ने अपने पहले संयुक्त रक्षा विकास परियोजना समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह परियोजना नौसैनिक रेडियो एंटीना प्रणाली यूनिकॉर्न के सह विकास से संबंधित है। इस समझौते को हिंद प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अहम कदम माना जा रहा है। हम आपको बता दें कि



दोनों देश क्वॉड समूह के सदस्य हैं, जिसमें अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। चीन की बढ़ती समुद्री आक्रामकता और दक्षिण चीन सागर से लेकर पूर्वी चीन सागर तक बदलते सामरिक समीकरणों के बीच यह रक्षा सहयोग विशेष महत्व रखता है।

साथ ही भारत और जापान ने ऊर्जा सुरक्षा तथा आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने पर भी सहमति जताई। सेमीकंडक्टर, दुर्लभ खनिज, धातु और उर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए साझा रूपरेखा तैयार की जाएगी। दोनों देशों ने स्थानीय मुद्रा में व्यापार व्यवस्था पर भी चर्चा की, जिसके तहत रुपये और येन में सीधे व्यापार की संभावना पर काम होगा। इससे अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम हो सकती है और दोनों अर्थव्यवस्थाओं को अधिक रणनीतिक स्वायत्तता मिलेगी।

साथ ही जापान ने अगले दस वर्षों में भारत में दस ट्रिलियन येन निवेश करने की घोषणा दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर कहा कि भारत में जापानी कंपनियों की संख्या दोगुनी की जाएगी। वर्तमान में जापान भारत के सबसे बड़े निवेशकों में शामिल है और मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन रेल परियोजना सहित कई आधारभूत ढांचा योजनाओं में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। दोनों देशों के बीच वित्त वर्ष 2025-26 में द्विपक्षीय व्यापार 27.5 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। जापान की प्रधानमंत्री के साथ आया बड़ा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी इस बात का स्पष्ट संकेत था कि टोक्यो भारत में निवेश बढ़ाने जा रहा है।

साथ ही दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य क्षेत्र में भी सहयोग को नई गति मिली है। औषधि, चिकित्सा उपकरण और जैव प्रौद्योगिकी से जुड़े समझौतों के माध्यम से दोनों देशों ने वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा में योगदान देने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत की व्यापक उत्पादन क्षमता और जापान की गुणवत्ता आधारित तकनीक मिलकर विश्व को सस्ती और भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा सकती हैं। इसके साथ ही भारत जापान जैव गैस पहल के अंतर्गत भारत में एक हजार जैव गैस और जैविक उर्वरक संयंत्र स्थापित किए जाएंगे।

देखा जाये तो यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब विश्व व्यवस्था तेजी से बदल रही है। चीन की सैन्य सक्रियता, आपूर्ति श्रृंखलाओं पर वैश्विक प्रतिस्पर्धा, ऊर्जा संकट और हिंद प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन को लेकर बढ़ती चिंताओं ने भारत और जापान को और करीब ला दिया है। अमेरिका की विश्वसनीयता को लेकर उठते सवालों के बीच टोक्यो अब नई दिल्ली को अपने सबसे भरोसेमंद रणनीतिक साझेदारों में देख रहा है। भारत भी जापान को केवल निवेशक नहीं बल्कि दीर्घकालिक सामरिक सहयोगी के रूप में देख रहा है।

हम आपको याद दिला दें कि प्रधानमंत्री मोदी और पूर्व जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे के बीच गहरे व्यक्तिगत संबंधों ने भी इस साझेदारी को मजबूती दी थी। गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए मोदी की जापान यात्राओं से शुरू हुआ यह संबंध अब व्यापक सामरिक साझेदारी का रूप ले चुका है। वर्तमान वार्ता ने स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले वर्षों में भारत जापान संबंध एशिया की सबसे निर्णायक रणनीतिक धुरी बन सकते हैं।

देखा जाये तो भारत और जापान की बढ़ती दोस्ती का प्रभाव केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर पूरे एशिया और वैश्विक शक्ति संतुलन पर दिखाई देगा। लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक सहयोग और सामरिक विश्वास पर आधारित यह साझेदारी हिंद प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता और शांति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। चीन की बढ़ती आक्रामकता, वैश्विक आपूर्ति संकट और बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच भारत और जापान का साथ आना एशिया में एक नए रणनीतिक संतुलन का संकेत माना जा रहा है। आने वाले वर्षों में यह साझेदारी न केवल व्यापार, तकनीक और रक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाएं खोलेगी, बल्कि विश्व राजनीति में भी एक भरोसेमंद और स्थिर शक्ति केंद्र के रूप में उभर सकती है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

## आत्मनिर्भर ग्राम पंचायतों का सपना कितना व्यावहारिक? सबसे बड़ी चुनौती आय नहीं, संसाधनों की है

(अमरपाल सिंह वर्मा )

तमाम समस्याओं के बावजूद पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाना जरूरी है, क्योंकि पंचायतों की आर्थिक मजबूती के बिना वास्तविक विकेंद्रीकरण संभव नहीं है।सरकार ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाना चाहती है। इसके लिए हाल में जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। सरकार का मानना है कि देश में बदलाव की असली शुरुआत गांवों से ही संभव है। इसी सोच के तहत अब ग्राम पंचायतों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने पर बल दिया जा रहा है। इसके पीछे तर्क है कि यदि पंचायतें अपने स्रोतों से आय अर्जित करेंगी, तो वे अपने क्षेत्र की जरूरतों के अनुसार सड़क, पेयजल, सफाई, प्रकाश व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाओं पर खर्च कर सकेंगी। इससे विकास कार्यों में तेजी आएगी, सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा और सरकारी अनुदानों पर निर्भरता कम होगी। सरकार का यह भी मानना है कि मजबूत और आत्मनिर्भर पंचायतें ही विकसित भारत के सपने को साकार कर सकती हैं, लेकिन क्या पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाना वास्तव में इतना आसान है? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि आजादी के बाद से गांवों के विकास की जो व्यवस्था बनी, उसमें पंचायतों की भूमिका तो बढ़ती गई, लेकिन उनकी आर्थिक ताकत उतनी नहीं बढ़ पाई। पंचायतों के कामकाज का बड़ा हिस्सा केंद्र और राज्य सरकारों से मिलने वाले अनुदानों पर निर्भर रहा है। आज भी अधिकांश पंचायतें स्वयं की आय के बजाय सरकारी योजनाओं और अनुदानों पर अधिक निर्भर हैं। ऐसे में पंचायतों से आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने की अपेक्षा पर सवाल उठना स्वाभाविक है। सरकार का कहना है कि आर्थिक आत्मनिर्भरता का मतलब केवल पैसा जुटाना नहीं है। सरकारी दस्तावेजों में आर्थिक आत्मनिर्भरता को केवल राजस्व जुटाने तक सीमित नहीं माना गया है। इसके पीछे सोच यह है कि पंचायतों को स्थानीय जरूरतों के अनुसार प्राथमिकताएं तय करने और फैसले लेने की अधिक स्वतंत्रता मिले। यदि पंचायतों की अपनी आय होगी, तो वे यह तय कर पाएंगी कि गांव में सबसे जरूरी काम टूटी सड़क बनवाना है या पेयजल व्यवस्था सुधारना, सार्वजनिक भवनों की मरम्मत कराना अथवा सफाई व्यवस्था को मजबूत करना ज्यादा जरूरी है। केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय की रिपोर्ट में यह बात सामने आई कि पिछले कुछ वर्षों में ग्राम पंचायतों की भूमिका बदली है। वे अब केवल योजनाओं को लागू करने वाली संस्थाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि ग्रामीण विकास की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार हैं। इसके बावजूद पंचायतों की वित्तीय निर्भरता की समस्या यथावत बनी हुई है। पंचायतों की आत्मनिर्भरता की वास्तविक स्थिति का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि हाल में दिल्ली में दिए गए राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों में देश भर की केवल चार पंचायतों को ही 'आत्मनिर्भर आधारभूत संरचना' श्रेणी में सम्मानित किया गया है। सर्वविदित है कि देश की अधिकांश ग्राम पंचायतों की आय का बड़ा हिस्सा राज्य और केंद्र सरकार से मिलने वाले अनुदानों से आता है। अपने स्तर पर राजस्व जुटाने का अधिकार होने के बावजूद पंचायतों ने इस दिशा में अपेक्षित प्रगति नहीं की है। सवाल है कि पंचायतें आय बढ़ाएंगी कैसे? कानूनी रूप से पंचायतों के पास कई अधिकार हैं। वे भवन कर लगा सकती हैं, सफाई कर और पथ-प्रकाश कर वसूल सकती हैं। यहां तक कि जल उपयोग शुल्क ले सकती हैं। गांवों में लगने वाले हाट-बाजार, मेले, सामुदायिक भवनों, दुकानों के किराए और अन्य स्थानीय संसाधनों से भी आय अर्जित कर सकती हैं। लेकिन कागजों पर दिखाई देने वाले ये स्रोत यथार्थ के धरातल पर उतने प्रभावी नहीं होते। गांवों में कर वसूली का विषय केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक भी है। सरपंच और वार्ड पंच उन्हीं लोगों के बीच रहते हैं, जिनसे उन्हें कर वसूलना होता है। ऐसे में कर लगाने या वसूली करने पर प्रायः विरोध का सामना करना पड़ता है। भौगोलिक दृष्टि से बड़े राज्य राजस्थान पर नजर डालें, तो चुनौती और स्पष्ट दिखाई देती है। यहां की अधिकांश पंचायतों के पास न तो बड़े बाजार हैं, न औद्योगिक इकाइयां और न ही पर्यटन से जुड़ी आय। ज्यादातर जिलों की पंचायतें आज भी मुख्य रूप से कृषि और सरकारी योजनाओं पर निर्भर हैं। राज्य की अधिकांश ग्राम पंचायतों के पास ऐसे संसाधन नहीं हैं, जिनसे पर्याप्त राजस्व प्राप्त हो सके। कुछ पंचायतों के पास बाजार, व्यावसायिक गतिविधियां, पर्यटन स्थल या आय के अन्य स्रोत मौजूद हैं, लेकिन अधिकांश पंचायतें कृषि आधारित अर्थव्यवस्था पर निर्भर हैं। वहां स्थानीय आय बढ़ाने की संभावनाएं सीमित हैं। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या सभी पंचायतों को एक ही पैमाने से मापा जा सकता है? क्या सीमावर्ती रेगिस्तानी क्षेत्र की पंचायत और किसी विकसित कस्बे से सटी पंचायत की स्थिति एक समान है? क्या आर्थिक रूप से कमजोर गांवों से भी वही अपेक्षा जायज है, जो अपेक्षाकृत संपन्न क्षेत्रों से की जाती है? इन सवालों के जवाब तलाशना जरूरी है, क्योंकि केवल लक्ष्य तय कर देने से उपलब्धियां हासिल कर पाना संभव नहीं होता।

# बढ़ता कद, बढ़ते हमले और कमजोर पड़ता सुरक्षा कवच

## क्या डॉ. मोहन यादव के सामने सबसे बड़ी चुनौती विपक्ष है या अपना संचार तंत्र?

कृष्णमोहन झा/

राजनीति का एक अलिखित नियम है–जैसे-जैसे किसी नेता का कद बढ़ता है, वैसे-वैसे उसके विरोधियों की संख्या भी बढ़ती जाती है। जब तक कोई नेता केवल अपने प्रदेश तक सीमित रहता है, उसके विरोध भी सीमित रहते हैं। लेकिन जैसे ही वह राष्ट्रीय राजनीति में अपनी उपयोगिता और प्रभाव सिद्ध करने लगता है, उसके हर कदम, हर निर्णय और हर गतिविधि का राजनीतिक विश्लेषण शुरू हो जाता है। यही स्थिति आज मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदर्भ में दिखाई दे रही है।

लगभग ढाई वर्ष पूर्व जब डॉ. मोहन यादव को मध्यप्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया था, तब राजनीतिक विश्लेषकों के एक बड़े वर्ग ने इसे एक अप्रत्याशित निर्णय माना था। लेकिन आज स्थिति बदल चुकी है। इन ढाई वर्षों में उन्होंने केवल प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में ही नहीं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रचारक के रूप में भी अपनी अलग पहचान बनाई है। दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों के चुनावों में उनकी सक्रिय भागीदारी इस बात का संकेत है कि पार्टी नेतृत्व उन्हें केवल मध्यप्रदेश तक सीमित नेता के रूप में नहीं देख रहा।

विशेष रूप से बिहार में यादव बहुल क्षेत्रों में उनकी सभाओं और संपर्क अभियानों को भाजपा ने रणनीतिक महत्व दिया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा का उद्देश्य उन सामाजिक वर्गों तक अपनी पहुंच बढ़ाना था, जो परंपरागत रूप से उसके प्रभाव क्षेत्र से बाहर माने जाते रहे हैं। चाहे इसका पूरा श्रेय किसी एक नेता को न दिया जा सके, लेकिन यह स्पष्ट है कि डॉ. मोहन यादव को पार्टी ने इस सामाजिक विस्तार की रणनीति में एक प्रमुख चेहरा बनाया। इससे उनका राजनीतिक कद स्वाभाविक रूप से बढ़ा है।

यहीं से राजनीति का दूसरा अध्याय शुरू होता है।

भारतीय राजनीति का इतिहास बताता है कि जब कोई नेता तेजी से उभरता है, तो उसके सामने चुनौतियां भी कई दिशाओं से आने लगती हैं। विपक्ष उसके हर निर्णय पर सवाल उठाता है, मीडिया उसकी



गतिविधियों की अधिक बारीकी से जांच करता है और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का दायरा भी व्यापक हो जाता है। यह किसी एक दल की नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक राजनीति की स्वाभाविक प्रक्रिया है।

हाल के दिनों में एक राष्ट्रीय समाचार पत्र में प्रकाशित रिपोर्ट और उसके बाद कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोपों ने इसी बहस को जन्म दिया। विपक्ष ने मुख्यमंत्री को घेरने का प्रयास किया, जबकि भाजपा ने उन आरोपों का तथ्यों के साथ खंडन किया। लोकतंत्र में यह सब असामान्य नहीं है। असली प्रश्न कहीं और है।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू आरोप नहीं, बल्कि संचार का अभाव रहा। यदि किसी समाचार के संबंध में समय रहते मुख्यमंत्री कार्यालय या सरकार की ओर से अधिकृत, तथ्यात्मक और विस्तृत प्रतिक्रिया सामने आ जाती, तो संभवतः राजनीतिक विमर्श का स्वरूप अलग होता। राजनीति में कई बार तथ्य देर से सामने आने पर उनका प्रभाव भी कम हो जाता है।

यहीं मुझे डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व की सबसे बड़ी चुनौती दिखाई देती है।

ढाई वर्षों के कार्यकाल में उन्होंने प्रशासनिक स्तर पर अपनी कार्यशैली स्थापित की, निवेश को गति देने का प्रयास किया, धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को नई दिशा दी तथा राष्ट्रीय नेतृत्व का विश्वास भी अर्जित किया। लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि वे अभी तक ऐसा राजनीतिक और संचार सुरक्षा कवच तैयार नहीं कर पाए हैं, जो संकट के समय तथ्यों के साथ तत्काल सामने आ सके।

आज की राजनीति केवल विकास कार्यों से नहीं चलती, बल्कि धारणा (क्क्रद्गह्म्द्गश्चह्लद्बशठ्ठ)से भी संचालित होती है। यदि आप अपना पक्ष समय पर नहीं रखते, तो विरोधी अपना पक्ष स्थापित कर देते हैं। बाद में दिया गया स्पष्टीकरण अक्सर पहले से बनी धारणा को पूरी तरह बदल नहीं पाता।

यह केवल डॉ. मोहन यादव की समस्या नहीं है। आधुनिक राजनीति का यह नया यथार्थ है। अब चुनाव केवल मंचों पर नहीं, बल्कि मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और जनधारणा के स्तर पर भी लड़े जाते हैं। इसलिए मुख्यमंत्री के पास जितनी मजबूत प्रशासनिक टीम होनी चाहिए, उतनी ही सक्षम राजनीतिक, कानूनी और मीडिया प्रतिक्रिया देने वाली टीम भी आवश्यक है।

यह भी उतना ही सत्य है कि किसी भी लोकप्रिय नेता पर आरोप लगेंगे। विपक्ष का काम सवाल उठाना है और मीडिया का दायित्व भी प्रश्न पूछना है। लेकिन किसी भी जननेता की सबसे बड़ी शक्ति उसकी पारदर्शिता, विश्वसनीयता और समय पर संवाद होती है। यही गुण राजनीतिक हमलों की धार को कम करते हैं।

डॉ. मोहन यादव के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती विपक्ष नहीं है। विपक्ष लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है और अपनी भूमिका निभाता रहेगा। वास्तविक चुनौती यह है कि क्या उनका राजनीतिक तंत्र उनके बढ़ते राष्ट्रीय कद के अनुरूप स्वयं को विकसित कर पा रहा है? क्या मुख्यमंत्री कार्यालय में ऐसा त्वरित संचार तंत्र है, जो किसी भी विवाद पर तुरंत तथ्य प्रस्तुत कर सके? क्या ऐसी विश्वसनीय टीम तैयार हो चुकी है, जो राजनीतिक और मीडिया दोनों मोर्चों पर प्रभावी ढंग से सरकार का पक्ष रख सके?

यदि इन प्रश्नों पर समय रहते गंभीरता से विचार किया गया, तो डॉ. मोहन यादव का राजनीतिक भविष्य और अधिक मजबूत हो सकता है। लेकिन यदि संवाद का यही शून्य बना रहा, तो भविष्य में भी उपलब्धियों से अधिक विवाद चर्चा का विषय बन सकते हैं।

राजनीति में विरोधी उतना नुकसान नहीं पहुंचाते, जितना कई बार *समय पर न बोला गया सत्य** पहुंचा देता है। बड़े नेताओं की पहचान केवल उनकी लोकप्रियता से नहीं होती; उनकी पहचान इस बात से भी होती है कि वे संकट के समय कितनी पारदर्शिता, आत्मविश्वास और तत्परता से जनता के सामने आते हैं।

डॉ. मोहन यादव के सामने यह अवसर भी है और चुनौती भी। यदि वे अपनी प्रशासनिक उपलब्धियों के समान ही अपने राजनीतिक एवं संचार तंत्र को भी सुदृढ़ कर लेते हैं, तो न केवल मध्यप्रदेश बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी उनका प्रभाव और व्यापक हो सकता है। क्योंकि आज के दौर में नेतृत्व केवल निर्णयों से नहीं, बल्कि संवाद से भी स्थापित होता है।

# रायगढ़ की ज़मीन हड़पने को तैयार अडानी : किसी हाल में नहीं देंगे ज़मीन की हुंकार के साथ कलेक्टर जनदर्शन पहुंचे ग्रामीण और जनप्रतिनिधि

**रायगढ़/मूक पत्रिका**

एक बार फिर रायगढ़ का इतिहास खुद को उसी खौफनाक और क्रूर तरीके से दोहरा रहा है, जहाँ कॉर्पोरेट घरानों की तिजोरियां भरने के लिए किसानों की छाती पर बुलडोजर चलाने की बिसात बिछाई जा रही है। पुसौर ब्लॉक का ग्राम कोतमरा आज प्रशासन और पूंजीपतियों के उसी 'गेम' का शिकार हो रहा है। एक तरफ अडानी कंपनी की औद्योगिक हवस है, तो दूसरी तरफ उसके आगे घुटने टेक चुका हमारा जिला प्रशासन। सवाल यह है कि आखिर रायगढ़ की उपजाऊ माटी और कितनी बार छली जाएगी?

**13 जुलाई की जनसुनवाई: विकास का मुखौटा या विनाश का षड्यंत्र?**-आगामी 13 जुलाई को ग्राम सूपा में अडानी कंपनी को पर्यावरणीय स्वीकृति दिलाने के लिए प्रशासन जनसुनवाई का एक प्रायोजित कार्यक्रम करने जा रहा है। इसके कड़े विरोध में कोतमरा के ग्रामीण और किसान कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और स्पष्ट अल्टीमेटम दिया कि इस तथाकथित जनसुनवाई और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को



तत्काल निरस्त किया जाए। लेकिन क्या एसी कमरों में बैठे प्रशासन को अपने ही अन्नदाताओं की चीखें सुनाई दे रही हैं?

**ग्राम सभा को ठेंगा, कानूनों की सरेआम हत्या**-लोकतंत्र में ग्राम सभा को सबसे ऊपर माना जाता है, लेकिन अडानी के प्रोजेक्ट के आगे शायद प्रशासन ने संविधान भी ताक पर रख दिया है। कोतमरा के ग्रामीणों ने एक नहीं, तीन-तीन बार ग्राम सभा की बैठकों में सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया है कि वे अपनी एक इंच भी ज़मीन (निजी या शासकीय) उद्योगों को नहीं देंगे। इसके बावजूद 290 एकड़ उपजाऊ भूमि छीनने की प्रक्रिया बेशर्मी से आगे बढ़ाई जा रही है। भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास अधिनियम 2013 के प्रावधानों और पारदर्शिता की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। बिना प्रभावित परिवारों की सहमति के ज़मीन छीन लेना आखिर कौन सा 'सुशासन' है?

**सुशासन के नाम पर अन्नदाताओं के आंसुओं से मजाक**-प्रशासनिक चौखट पर न्याय की आस में खड़े एक किसान का दर्द छलक पड़ा। उसने रुंधे गले से कहा- ÷सरकार सुशासन त्योहार मनाती है, लेकिन हमने सुशासन के तहत 275 से अधिक आवेदन दे दिए कि हमें अपनी ज़मीन नहीं देनी है। हम चीख रहे हैं, विरोध कर रहे हैं, लेकिन आज तक ऑनलाइन कोई निराकरण नहीं हुआ।÷ यह महज़ एक बयान नहीं, बल्कि उस मजबूर किसान की सिसकी है, जिसकी दो-फसली, सिंचित और सोना उगलने वाली ज़मीन को छीनकर उसे बेघर और दर-ब-दर करने की साजिश रची जा रही है। अगर ज़मीन गई, तो सैकड़ों परिवार सड़क पर आ जाएंगे और खेतिहर मजदूरों के सामने पलायन के अलावा कोई चारा नहीं बचेगा।

**धुएं और राख में घुटती 'ज़िंदगी' का खौफ**-रायगढ़ पहले ही औद्योगिक प्रदूषण का भयानक दंश झेल रहा है।

किसानों को डर है कि अगर यहाँ अडानी का एक और प्रोजेक्ट लगा, तो उनकी बची-खुची ज़िंदगी भी राख के ढेरों, काली धूल, जहरीले धुएं और पाताल छूते जल स्तर में दफ्न हो जाएगी। उद्योगों से निकलने वाला जहर न सिर्फ उनकी खेती बर्बाद करेगा, बल्कि उनके बच्चों की सांसों में भी जहर घोल देगा।

# गेरवानी से सराईपाली रोड पर गुजरना दोजख के समान, पूरी सड़क में गड्ढे, भारी वाहनों के अलावा कंपनी में काम करने वाले कर्मचारियों का आना-जाना

**रायगढ़/मूक पत्रिका**

लगातार बारिश ने कुछ सडक़ों पर हो रही तकलीफों को कई गुना बढ़ा दिया है। ऐसे कई मार्ग हैं, जिनके बारे में बातें बहुत होती हैं, काम बहुत कम। गेरवानी से सराईपाली रोड का हाल भी ऐसा ही है। अब तो लोगों ने भी स्वीकार कर लिया है कि उनकी आवाज नहीं सुनी जाएगी। इसी जर्जर रोड पर ट्रेलरों के बीच से गुजरना ही उनकी नियति है। एक दिन की बारिश ने इस सडक़ ये गुजरना नर्क के समान बना दिया है। एक ही दिन की लगातार बारिश ने कई सडक़ों की पोल खोल दी है। बारिश के पहले गड्ढे तो थे लेकिन तकलीफ सहन हो जाती थी। बारिश के बाद तो हालात नारकीय हो चुके हैं। रायगढ़ घरघोड़ा हाईवे में गेरवानी से सराईपाली की ओर जाने वाली सडक़ पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। जिले में यह सबसे महत्वपूर्ण सडक़ है क्योंकि सबसे ज्यादा संख्या में प्लांट इसी रोड पर स्थित हैं। हर दिन





सैकड़ों हाईवा, ट्रक, ट्रेलरों का आवागमन इस रोड से होता है। चौड़ाई बेहद कम होने की वजह से कई बार ट्रेलरों की चपेट में आकर लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इस रोड पर स्थित गांवों में रहने वालों के लिए यही एकमात्र सडक़ है। रविवार दोपहर से सडक़ का हाल पहले से ज्यादा बेहाल हो गया। तीन-तीन फुट के गहरे गड्ढे में कीचड़ भर गया। दोनों ओर से ट्रेलरों की आवाजाही से दूसरे छोटे वाहनों के लिए जगह नहीं बच रही थी। कई हादसे होते-होते बचे हैं। इस रोड को चौड़ा करने की मांग बहुत पुरानी है। लेकिन सरकार तक लोगों की आवाज नहीं पहुंची है। जहां जरूरी, वहां नहीं बनेगी रोड रायगढ़ जिले में विकास कार्यों की मंजूरी के लिए हर बार सरकार का मुंह ताकना नहीं पड़ रहा है। डीएमएफ और सीएसआर से प्रशासन अनुमति दे रहा है। लेकिन जहां सडक़ की सबसे ज्यादा जरूरत है, वहीं अनुमति नहीं मिल रही है। गेरवानी से सराईपाली रोड का निर्माण होने से सिर्फ उद्योग ही नहीं, कई गांवों को राहत मिलेगी। अफसोस की बात यह है कि सरकारी एजेंडा में यह सडक़ अत्यंत आवश्यक की श्रेणी में नहीं है। इसलिए जैसा है, वैसा चलता रहेगा।

# दिव्यांगजनों के उपयुक्तता प्रमाण पत्र हेतु 8 और 9 जुलाई क़ो रायपुर में शिविर

## दिव्यांग विद्यार्थियों के शिक्षा के लिए उपयुक्तता प्रमाण पत्र बेहद महत्वपूर्ण

**सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका**

दिव्यांगजनों के लिए तकनीकी पाठ्यक्रमों, प्रोफेशनल कोर्स (कृषि, पॉलिटेक्निक, मैनेजमेन्ट कोर्स) में प्रवेश के लिए उपयुक्तता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होता है। इसके लिए शासकीय कन्या पॉलिटेक्निक कॉलेज बैरनबाजार रायपुर में 8 और 9 जुलाई को सुबह 11 से 3 बजे तक शिविर का आयोजन किया जाएगा। दिव्यांग विद्यार्थियों के शिक्षा के लिए उपयुक्तता प्रमाण पत्र बेहद महत्वपूर्ण है। छत्तीसगढ़ राज्य के दिव्यांगजनों को इस प्रमाण पत्र के




लिए जबलपुर जाना होता है। इस हेतु राज्य के शिक्षित दिव्यांगजनों के सुविधा के लिए भारत सरकार एवं श्रम मंत्रालय के नेशनल कैरियर सेन्टर फॉर डिफरेंटली एबल्ड, जबलपुर द्वारा दिव्यांगजनों को उनके दिव्यांगता का परीक्षण कर पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु उपयुक्तता प्रमाण पत्र रायपुर में प्रदान किया जायेगा।

शिविर में भाग लेने हेतु आवश्यक दस्तावेज

1. जिला चिकित्सा बोर्ड द्वारा जारी दिव्यांगता प्रमाण पत्र
2. शिक्षा एवं आयु से संबंधित प्रमाण पत्र
3. आधार कार्ड
4. मोबाइल नं.
5. जाति प्रमाण पत्र (यदि आरक्षित श्रेणी से है)
6. पासपोर्ट आकार के दो फोटो
7. पाठ्यक्रम जिसमें प्रवेश लेना चाहते हो उसका प्रवेश पत्र

# कार से देशी कट्टा बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार, चक्रधरनगर पुलिस और साइबर थाना की संयुक्त कार्रवाई, हथियार सप्लाई नेटवर्क की जांच शुरू, फरार आरोपियों की तलाश तेज

## देर रात पहाड़ मंदिर के पास घेराबंदी कर पुलिस टीम ने आरोपियों को दबोचा, 4.10 लाख रुपये की कार व अवैध हथियार जब्त

**रायगढ़/मूक पत्रिका**

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में संदिग्ध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखते हुए थाना चक्रधरनगर पुलिस एवं साइबर थाना की संयुक्त टीम ने कल देर रात बड़ी कार्रवाई करते हुए एक देशी कट्टा के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त टोयोटा ग्लैंजा कार एवं देशी कट्टा जब्त कर आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ओडिशा की ओर से रायगढ़ आने वाली एक सफेद रंग की कार में




सवार दो व्यक्ति अवैध देशी कट्टा लेकर आ रहे हैं। सूचना मिलते ही सीएसपी मयंक मिश्रा के मार्गदर्शन पर थाना प्रभारी चक्रधरनगर निरीक्षक राकेश मिश्रा एवं थाना प्रभारी साइबर निरीक्षक विजय चेलक के नेतृत्व में उप निरीक्षक गेंदलाल साहू के हमराह संयुक्त पुलिस टीम ने पहाड़ मंदिर शराब भट्ठी के पास मुख्य मार्ग पर घेराबंदी कर संदिग्ध वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान टोयोटा ग्लैंजा कार क्रमांक छ्त्त-13 ॅक्त6663 पुलिस को देखकर कुछ दूरी पर रुक गई। पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर कार में सवार दोनों युवकों को हिरासत में लिया। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम हरीश यादव (26 वर्ष), निवासी बजरंग रामभाठा, थाना कोतवाली, रायगढ़ तथा प्रहलाद केंवट (24 वर्ष), निवासी अंधियारीपार, थाना अकलतरा, जिला जांजगीर-चांपा, वर्तमान निवासी उच्चभिट्ठी, किरोड़ीमल नगर, थाना कोतरारोड़, रायगढ़ बताया। विधिसम्मत प्रक्रिया का पालन करते हुए आरोपियों को तलाशी संबंधी अधिकारों की जानकारी दी गई तथा उनकी सहमति से वाहन की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार के भीतर छिपाकर रखा गया एक देशी कट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने देशी कट्टा एवं घटना में प्रयुक्त करीब 4 लाख रुपये कीमत की टोयोटा ग्लैंजा कार को गवाहों की उपस्थिति में जप्त कर लिया।

# मलांजकुंडुम जलप्रपात की बदहाली पर प्रशासन सक्रिय, दैनिक मूक पत्रिका की खबर का असर,डीएफओ रौनक गोयल ने किया निरीक्षण







**समाचार प्रकाशित होते ही वन विभाग हरकत में आया, ग्रामीणों से चर्चा कर समस्याओं के निराकरण के दिए निर्देश। जलप्रपात में बंबू राफ्टिंग शुरू करने की दिशा में भी दिए निर्देश,**

मूक पत्रिका प्रादेशिकी

बदहाली की मार झेल रहा मलांजकुंडुम जलप्रपात, सुविधाओं के अभाव से लौट रहे पर्यटक

जिला मुख्यालय से महज 20 किमी दूर स्थित प्राकृतिक धरोहर की सुध लेने की मांग, स्थानीयों ने कहा-विकास होगा तो बढ़ेगा रोजगार

कांकेर/मूक पत्रिका

**कांकेर/मूक पत्रिका**

विक्रम ठाकुर/:-कांकेर से लगभग 16 किलोमीटर दूर मलांजकुंडुम जलप्रपात की बदहाली और पर्यटक सुविधाओं के अभाव को प्रमुखता से दैनिक मूक पत्रिका में प्रकाशित किए जाने के बाद प्रशासन सक्रिय हो गया। समाचार का संज्ञान लेते हुए वन मंडलाधिकारी (डीएफओ) रौनक गोयल अपनी टीम के साथ मलांजकुंडुम जलप्रपात पहुंचे और मौके का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएफओ रौनक गोयल ने ग्रामीणों से सीधे चर्चा कर क्षेत्र की समस्याओं, पर्यटक सुविधाओं की कमी, साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था तथा विकास कार्यों की जानकारी ली। ग्रामीणों ने वर्षों से लंबित मूलभूत सुविधाओं और पर्यटन स्थल के समुचित विकास की मांग रखी। ग्रामीणों की बात सुनने के बाद डीएफओ ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए समस्याओं के शीघ्र निराकरण तथा आवश्यक विकास कार्यों की कार्ययोजना तैयार करने के आदेश दिए।साथ ही रोजगार के उद्देश्य से उन्होंने मलांजकुंडुम जलप्रपात में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बंबू राफ्टिंग (Bamboo Rafting) की संभावनाओं का निरीक्षण किया तथा इसके विकास एवं संचालन की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि मलांजकुंडुम जलप्रपात प्राकृतिक धरोहर है और इसके संरक्षण के साथ पर्यटकों की सुविधाओं का विकास भी प्राथमिकता से किया जाएगा। स्थानीय ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि दैनिक मूक पत्रिका द्वारा मुद्दा उठाए जाने के बाद प्रशासन की यह पहल क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण साबित होगी और आने वाले समय में मलांजकुंडुम जलप्रपात को बेहतर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा।

# उल्लास भारत कार्यक्रम में सभी अशिक्षित क़ो जोड़े, कोई शिक्षा से वंचित न हो - कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू

## सेवा सेतु पोर्टल में अब राशन कार्ड भी जमा होंगे

**सारंगढ़ बिलाईगढ/मूक पत्रिका**

कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के प्रगतिरत कार्यो, सुशासन और सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की। साथ ही सीएम हेल्पलाइन, मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन जैसे अन्य माध्यमों से प्राप्त आवेदनों के निराकरण की स्थिति की जानकारी अधिकारियों से लेकर पूर्ण कार्यों क़ो नस्तीबद्ध और अधूरे कार्यों क़ो समय सीमा में शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि उल्लास भारत कार्यक्रम में जिले के सभी अशिक्षित नागरिकों क़ो जोड़े, कोई भी शिक्षा से वंचित न हो। कुपोषण मुक्त जिला अभियान में




शामिल अधिकारी अपने कार्य के साथ चयनित आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के कुपोषण की रिपोर्टिंग करें। सभी विभाग ईऑफिस में फाइल मुवमेंट शीघ्र करें।बैठक में कलेक्टर ने धरती आबा, पीएम आदर्श ग्राम, सुगघर छत्तीसगढ़, पीएम आवास, आयुष्मान, सेवा सेतु, स्वच्छ भारत मिशन, पीएम आवास ग्रामीण और शहरी, हर घर जल, जल आवर्धन, जल जीवन मिशन, वीबीजीरामजी, जाति, निवास, आय प्रमाण पत्र आदि के प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में ईडीएम ने जानकारी दी कि सेवा सेतु (पुराना नाम, सीएससी सेंटर) में अब जाति, निवास और आय प्रमाण पत्र के अलावा राशन कार्ड से संबंधित आवेदन जमा होंगे। इससे जनपद पंचायतों, नगरपालिका सारंगढ़ और जिले के सभी नगर पंचायत में राशनकार्ड के लिए आवेदन अब ऑनलाइन भी जमा किये जा सकेंगे। बैठक में जिले के अधिकारीगण शामिल थे।

## सुशासन तिहार के लंबित आवेदनों का करें गुणवत्तापूर्ण निराकरण, जनहित से जुड़े कार्यों में लापरवाही पर होगी कार्रवाई

# समय-सीमा बैठक में कलेक्टर की दो टूक : वीबी जी राम योजना और सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों में लाएं तेजी

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने बीते मंगलवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा (टीएल) बैठक में शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं, जनहित से जुड़े मामलों एवं विभिन्न विभागों की प्रगति की गहन समीक्षा की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक योजना का लाभ समय पर पात्र हितग्राहियों तक पहुंचना चाहिए तथा विभागीय कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभाग लक्ष्य आधारित कार्ययोजना बनाकर समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करें तथा योजनाओं का प्रभाव धरातल पर स्पष्ट दिखाई देना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता आमजन की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और स्थायी समाधान सुनिश्चित करना है।

**वीबी जी राम योजना के कार्यों में लाएं गति, गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण करें निर्माण कार्य**-बैठक में कलेक्टर ने वीबी जी राम योजना के अंतर्गत स्वीकृत विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी निर्माण एवं विकास कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि योजना के तहत स्वीकृत कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा फील्ड निरीक्षण के माध्यम से निर्माण गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। अधूरे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कर ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए।



**सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों में दिखे सुधार, शिकायतकर्ता को मिले वास्तविक राहत**-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के लंबित एवं निराकृत प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि शिकायतों का निराकरण केवल पोर्टल पर प्रकरण बंद करने तक सीमित न रहे, बल्कि शिकायतकर्ता को वास्तविक एवं स्थायी समाधान मिले। उन्होंने कहा कि बार-बार एक जैसी शिकायतों का प्राप्त होना संबंधित विभाग की कार्यप्रणाली में कमी को दर्शाता है। ऐसे मामलों का मूल कारण तलाशकर स्थायी समाधान किया जाए। निम्न रैंकिंग वाले विभागों को विशेष अभियान चलाकर लंबित प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने और आगामी समीक्षा तक रैंकिंग में सुधार लाने के निर्देश दिए गए।

**सुशासन तिहार के आवेदनों का करें प्राथमिकता से निराकरण**-कलेक्टर ने सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए कहा कि यह अभियान शासन और जनता के बीच विश्वास का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसलिए प्रत्येक आवेदन का पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। जिन प्रकरणों में निराकरण शेष है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए तथा पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ दिलाया जाए।

**जर्जर आंगनबाड़ी भवनों का सर्वे कर तैयार करें सूची**-महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले में ऐसे सभी आंगनबाड़ी भवनों की विकासखंडवार सूची तैयार की जाए जो पूरी तरह जर्जर हो चुके हैं अथवा डिस्मेंटल किए जाने योग्य हैं। जिन स्थानों पर नए भवन निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध नहीं है अथवा भूमि स्वीकृति लंबित है, उनके प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर प्रस्तुत किए जाएं, ताकि आवश्यक स्वीकृति प्राप्त कर नए भवनों का निर्माण कराया जा सके।

**जाति प्रमाण-पत्र और आयुष्मान कार्ड निर्माण में लाएं प्रगति**-बैठक में कलेक्टर ने राजस्व विभाग को निर्देश दिए कि विद्यार्थियों एवं पात्र नागरिकों के जाति प्रमाण-पत्र समय-सीमा के भीतर जारी किए जाएं, ताकि उन्हें प्रवेश, छात्रवृत्ति एवं अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया गया कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत शत-प्रतिशत पात्र परिवारों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं। इसके लिए विशेष शिविर आयोजित कर लक्ष्य की शीघ्र पूर्ति सुनिश्चित की जाए।

**विद्यालयों की नियमित मॉनिटरिंग कर बढ़ाएं शैक्षणिक गुणवत्ता**-शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों को विद्यालयों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षकों की नियमितता, शिक्षण गुणवत्ता तथा परीक्षा परिणामों में सुधार के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएं। विद्यालयों में अनुशासन एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण वातावरण सुनिश्चित किया जाए।

**सड़कों पर नहीं दिखें आवारा मवेशी, गौठान एवं कांजी हाउस की व्यवस्थाएं हों बेहतर**-कलेक्टर ने नगरीय निकाय एवं पंचायत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़कों पर घूम रहे आवारा मवेशियों को तत्काल गौठानों एवं कांजी हाउस में सुरक्षित रखा जाए। उन्होंने वहां पशुओं के लिए पर्याप्त चारा, स्वच्छ पेयजल, छायादार स्थान तथा आवश्यक उपचार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गौठानों एवं कांजी हाउस का नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की सतत निगरानी करने को भी कहा।

**जनहित के मामलों में अधिकारी स्वयं करें फील्ड विजिट**-कलेक्टर ने कहा कि समय-सीमा (टीएल) प्रकरणों, जनशिकायतों एवं शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की औपचारिकता स्वीकार नहीं की जाएगी। अधिकारी आवश्यकतानुसार स्वयं मैदानी भ्रमण कर योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करें और समस्याओं का मौके पर समाधान सुनिश्चित करें।

# पाकिस्तानी डिप्टी पीएम के पोते की गिरफ्तारी

## विदेशी महिलाओं की आबरू लूटने का आरोप

**लाहौर, एजेंसी।** क्या पाकिस्तान में विदेशी मेहमान सुरक्षित हैं? क्या सत्ता के नशे में रसूखदार लोग कानून से ऊपर हो गए हैं? दरअसल, पाकिस्तान के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री इशाक डार की कुर्सी पर बड़ा संकट आ गया है। उनके पोते रजा डार को एक बेहद संगीन मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है। क्या एक कद्दावर राजनेता का परिवार होने के कारण उसे बचाने की साजिश रची गई? क्या है पूरा मामला? आइए, विस्तार से जानते हैं।

### आखिर क्या है यह खौफनाक वारदात?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नीदरलैंड और वेनेजुएला की दो महिलाएं 29 जून को लाहौर पहुंचीं। रजा डार से उनकी मुलाकात पिछले साल सिंगापुर में हुई थी। दोनों एक बड़े क्रिप्टो प्रोजेक्ट पर साथ काम कर रहे थे। रजा ने ही उन्हें बिजनेस वीजा पर पाकिस्तान बुलाया था। लेकिन जैसे ही वे लाहौर पहुंचीं, उनके ठिकाने पर हथियारबंद लोगों ने धावा बोल दिया। उन्होंने क्रिप्टो, कंप्यूटर और उसके पासवर्ड की मांग की। सीनेटर फैसल वावडा ने सरकार पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। वावडा का कहना है कि पुलिस इस मामले को सिर्फ रंगदारी का केस बनाना चाहती है। वहीं, पीड़िता ने मजिस्ट्रेट को बताया कि उन्हें एक कमरे में ले जाकर दो लोगों ने उनका यौन उत्पीड़न किया, जबकि एक आदमी बंदूक लेकर पहरा दे रहा था। वावडा ने तंज कसते हुए पूछा है कि क्या पाकिस्तान एक 'पारिवारिक निगम' की तरह चलाया जा रहा है? जिस देश को विदेशी निवेश की सख्त जरूरत है, वहां ऐसी घटनाएं दुनिया को क्या संदेश देंगी? क्या अब कोई विदेशी नागरिक पाकिस्तान जाने की हिम्मत जुटा पाएगा?

### इस हाई-प्रोफाइल केस की पांच बड़ी बातें

क्या इशाक डार इस्तीफा देंगे? सीनेटर वावडा ने पूछा है कि इतने गंभीर आरोप के बाद डार विदेश मंत्री कैसे बने रह सकते हैं? उन्होंने तुरंत इस्तीफे की मांग की है। क्या विदेशी दूतावास के दबाव में हुई कार्रवाई? आरोप है कि विदेशी दूतावास के कड़े दखल के बाद ही रजा डार की गिरफ्तारी हो सकी, वरना सरकार मामले को दबा रही थी। कैसे बची जान? एक पीड़िता की मां ने किसी तरह 1 लाख डॉलर की फिरौती चुकाई। जब आरोपी उन्हें एयरपोर्ट ले जा रहे थे, तब गाड़ी क्रैश हो गई। महिलाओं ने शोर मचाया और ट्रैफिक पुलिस ने उन्हें बचा लिया। क्या आरोपियों को मिलेगी सजा? रजा डार सहित चार आरोपी 8 जुलाई तक पांच दिन की पुलिस रिमांड पर हैं। एक आरोपी अभी भी फरार है। क्या पीड़िताएं देश छोड़ चुकी हैं? मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज कराने के बाद दोनों महिलाएं पाकिस्तान से जा चुकी हैं। क्या इससे अभियोजन पक्ष का केस कमजोर पड़ जाएगा?

### पाकिस्तान की छवि पर क्या असर?

यह मामला ऐसे समय सामने आया है जब पाकिस्तान विदेशी निवेश आकर्षित करने की कोशिश कर रहा है। यदि जांच में आरोप सही साबित होते हैं, तो इससे देश की कानून-व्यवस्था और विदेशी नागरिकों की सुरक्षा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर सवाल उठ सकते हैं। दूसरी ओर, यदि जांच निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से आगे बढ़ती है, तो इससे न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी नजर रहेगी।

## इस विश्व त्वचा स्वास्थ्य दिवस पर कैलिफ़ोर्निया बादाम के साथ अपनी त्वचा को बेहतर समझें

8 जुलाई को मनाए जाने वाले विश्व त्वचा स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर, इस वर्ष की थीम बेहतर जानकारी, बेहतर त्वचा स्वास्थ्य त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने वाले कारकों को समझने के महत्व पर प्रकाश डालती है। जहां स्किनकेयर उत्पाद प्रदूषण जैसे बाहरी प्रभावों से त्वचा की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, वहीं शरीर को किस प्रकार का पोषण दिया जाता है, यह भी स्वस्थ और चमकदार त्वचा बनाए रखने के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है। आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार, जिसमें कैलिफ़ोर्निया बादाम, साबुत अनाज, पौधों और पशु स्रोतों से मिलने वाला प्रोटीन जैसे त्वचा के लिए लाभकारी खाद्य पदार्थ शामिल हों, और साथ में सक्रिय जीवनशैली अपनाई जाए, तो यह स्वस्थ त्वचा और संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में योगदान दे सकता है। पोषक तत्व त्वचा की सुरक्षा परत, मजबूती और सामान्य कार्यप्रणाली को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कैलिफ़ोर्निया बादाम एक ऐसा सुपरफूड है, जो प्राकृतिक रूप से पोषक तत्वों से भरपूर होता है और इसमें 24 पोषक तत्व पाए जाते हैं। इनमें बी विटामिन्स, जिंक, कॉपर और आवश्यक लिनोलिक एसिड शामिल हैं, जो मिलकर कोशिकाओं की सुरक्षा में मदद करते हैं और त्वचा की संरचना को बेहतर बनाए रखने में योगदान देते हैं। कैलिफ़ोर्निया बादाम विटामिन ई से भी भरपूर होते हैं, जो त्वचा की कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव नुकसान से बचाने और रूखेपन को कम करने में मदद करता है। स्वस्थ और चमकदार त्वचा के लिए इन्हें प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थों और हरी पत्तेदार सब्जियों के साथ अपने संतुलित आहार में शामिल करें। त्वचा की देखभाल के लिए आप क्या खाते हैं, इसकी जानकारी होना भी जरूरी है, इस पर बात करते हुए मैक्स हेल्थकेयर डॉ नई दिल्ली की रीजनल हेड ऑफ डायटेटिक्स रितिका समद्दार ने कहा, आप अपने शरीर में क्या लेते हैं, उसका असर अक्सर आपकी त्वचा पर दिखाई देता है।

## सैमसंग गैलेक्सी A27 5G की भारत में बिक्री शुरू, मिल रहे हैं कैशबैक ऑफर और जीरो डाउन पेमेंट की सुविधा

**गुरुग्राम:** सैमसंग ने भारत में अपने नए गैलेक्सी A27 5G स्मार्टफोन की बिक्री शुरू कर दी है। यह स्मार्टफोन अब सैमसंग के एक्सक्लूसिव स्टोर्स, पार्टनर रिटेल आउटलेट्स, Samsung.com और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है। गैलेक्सी A27 5G तीन आकर्षक रंगों में पेश किया गया है: लाइट ग्रीन, लाइट पिंक और ब्लैक। यह तीन मेमोरी वेरिएंट्स 6GB+128GB, 8GB+128GB और 8GB+256GB में उपलब्ध है। इसकी शुरुआती कीमत 28,999 रुपये रखी गई है। ग्राहकों को 3,000 रुपये तक का कैशबैक और जीरो डाउन पेमेंट जैसी आसान फाइनेंसिंग योजनाओं का भी लाभ मिलेगा। गैलेक्सी A27 5G में 6.7 इंच का 120H5 सुपर एमोलेड डिस्प्ले दिया गया है, जिसे कॉर्निंग गोरिल्ला विक्टस+ का प्रोटेक्शन मिलता है। स्मार्टफोन में 4nm स्नैपड्रैगन 6 जेन 3 मोबाइल प्लेटफॉर्म के साथ FS 3.1 स्टोरेज और LPDDR5X RAM दी गई है, जिससे मल्टीटास्किंग और गेमिंग का अनुभव तेज और स्मूद रहता है। फोटोग्राफी के लिए इसमें 50MP OIS प्राइमरी कैमरा दिया गया है, जो 4K वीडियो रिकॉर्डिंग को सपोर्ट करता है। इसके अलावा 5MP अल्ट्रावाइड कैमरा और 2MP मैक्रो कैमरा भी मौजूद हैं। कैमरा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए ऑब्जेक्ट इरेज़र, एडिट सजेशन्स और माय फिल्टर जैसे AI फीचर्स दिए गए हैं। वहीं, 12MP फ्रंट कैमरा हाई-क्वालिटी वीडियो कॉलिंग और शानदार सेल्फी के लिए उपयुक्त है। गैलेक्सी A27 5G में सर्किल टू सर्च विद गूगल, 22 भाषाओं में रियल-टाइम वॉयस ट्रांसक्रिप्शन, गूगल जेमिनी और परप्लेक्सिटी का इंटीग्रेशन भी मिलता है। बिक्सबी की मदद से यूजर्स सामान्य भाषा में फोन की सेटिंग्स को नियंत्रित कर सकते हैं। वहीं लाइव ट्रांसक्रिप्शन फीचर अंग्रेज़ी, हिंदी और गुजराती में कॉल ट्रांसक्रिप्शन को सपोर्ट करता है। गैलेक्सी A27 5G में 5000mAh की बैटरी दी गई है। कंपनी इस डिवाइस के लिए 6 वर्षों तक एंड्रायड ओएस और सुरक्षा अपडेट देने का वादा कर रही है। सुरक्षा के लिए इसमें सैमसंग नॉक ?स उपलब्ध है। इसके साथ ही सैमसंग वॉलेट के जरिए टैप एंड पे, यूपीआई भुगतान और डिजिटल आईडीज (पहचान पत्रों) को सुरक्षित रखने जैसी सुविधाएं भी मिलती हैं।

# अमेरिका में बजा भारत का डंका: हडसन नदी पर आईएनएस सुदर्शिनी ने फहराया तिरंगा

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस सुदर्शिनी ने अमेरिका में देश का मान बढ़ाया है। अमेरिका अपने 250वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न मना रहा है। इस मौके पर न्यूयॉर्क में 'यूनाइटेड स्टेट्स इंटरनेशनल नेवल रिव्यू 250' और 'सेल250' का आयोजन हुआ। हडसन नदी पर आयोजित भव्य 'परेड ऑफ सेल' में भारतीय नौसेना के इस जहाज ने भी हिस्सा लिया। तीन मस्तूलों वाले इस शानदार जहाज पर शान से तिरंगा लहरा रहा था। यह नजारा भारत की समृद्ध समुद्री विरासत का जीवंत प्रतीक बनकर उभरा।

**हडसन नदी पर ऐतिहासिक परेडत्न** अमेरिका में भारतीय दूतावास ने इस गौरवपूर्ण क्षण को सोशल मीडिया पर साझा किया। दूतावास ने बताया कि आईएनएस सुदर्शिनी ने चार जुलाई को न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी के पोर्ट पर प्रवेश किया। इस विशाल जहाज ने परेड ऑफ सेल में खास ध्यान खींचा। पूरी दुनिया के नौसैनिक जहाजों के बीच भारतीय जहाज की चमक अलग ही थी। यह भागीदारी भारत और अमेरिका के मजबूत होते नौसैनिक रिश्तों को बयां करती है। यह जहाज अंतरराष्ट्रीय मंच पर आपसी सहयोग और दोस्ती का संदेश दे रहा है।

### 10 महीने लंबा लोकायन अभियान की खास बातें क्या?

आईएनएस सुदर्शिनी की यह यात्रा बेहद खास और ऐतिहासिक है। यह जहाज इस समय 'लोकायन 2026' अभियान पर निकला हुआ है। यह महासागरों को पार करने वाला एक लंबा ट्रांस-ओशनिक अभियान है।

**13,000 मील का सफर:** यह अभियान कोच्चि से शुरू हुआ था। पिछले पांच महीनों में

यह जहाज 13,000 नॉटिकल मील से अधिक की दूरी नाप चुका है।

**वसुधैव कुटुंबकम की भावना:** इस अभियान का मकसद दुनिया भर की नौसेनाओं के बीच आपसी विश्वास बढ़ाना है। भारत हमेशा से 'वसुधैव कुटुंबकम' यानी पूरी दुनिया एक परिवार है के सिद्धांत पर चलता है। यह यात्रा इसी भावना को समर्पित है।

**पिछले अहम पड़ाव:** न्यूयॉर्क आने से पहले यह जहाज मैरीलैंड के बाल्टीमोर पोर्ट पर पहुंचा था। वहां इसका शानदार स्वागत हुआ। बाल्टीमोर आने के लिए जहाज ऐतिहासिक चेसापीक एंड डेलावेयर नहर से गुजरा था। इस दौरान उसने मिड-अटलांटिक के कई बड़े पुलों को पार किया था।

**वैश्विक कूटनीति का अहम हिस्सात्र** बाल्टीमोर से पहले इस जहाज ने वर्जीनिया के नॉरफॉक में हिस्सा लिया था। वहां 19 से 23 जून तक 'सेल250 वर्जीनिया' समारोह आयोजित हुआ था। उस समय भी सुदर्शिनी ने दुनिया भर के जहाजों के साथ परेड ऑफ सेल और सिटी क्रू परेड में दम दिखाया था। आईएनएस सुदर्शिनी मूल रूप से भारतीय नौसेना का एक सेल ट्रेनिंग शिप यानी नौकायन प्रशिक्षण पोत है। इसका मुख्य काम नौसैनिकों को पारंपरिक नौकायन की बारीकियां सिखाना है। इसके साथ ही यह जहाज समुद्री कूटनीति का एक बड़ा माध्यम बन चुका है। अमेरिका के इस देशव्यापी जश्न में अब यह जहाज आगे बोस्टन और न्यू ऑरलियन्स जैसे बंदरगाहों का रुख करेगा।

# नेतन्याहू जानते हैं, बॉस कौन है

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने व्हाइट हाउस में उनसे मुलाकात का अनुरोध किया है। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों नेताओं के बीच अच्छे संबंध हैं और नेतन्याहू जानते हैं कि बॉस कौन है। एक्सियोस को दिए फोन इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, 'हमारे संबंध बहुत अच्छे हैं। (नेतन्याहू) जानते हैं कि बॉस कौन है।' यहां उनका इशारा खुद की ओर था।

अगर नेतन्याहू की यह अमेरिका यात्रा होती है तो फरवरी में व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में हुई मुलाकात के बाद दोनों नेताओं की यह पहली बैठक होगी। एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, उस बैठक में नेतन्याहू ने ईरान के खिलाफ संयुक्त सैन्य अभियान की योजना पेश की थी।

ट्रंप ने कहा कि नेतन्याहू ने व्हाइट हाउस में मुलाकात का अनुरोध किया है और नाटो शिखर सम्मेलन से लौटने के बाद यह बैठक अगले सप्ताह भी हो सकती है। हालांकि, एक इस्राइली अधिकारी के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया कि ट्रंप के व्यस्त कार्यक्रम के कारण अगले सप्ताह बैठक होना मुश्किल हो सकता है। ट्रंप 7-8 जुलाई को तुर्किये में होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले हैं।

अधिकारी ने कहा, 'बैठक उसके अगले सप्ताह हो सकती है।' इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने पुष्टि की कि नेतन्याहू ने शुक्रवार को अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ट्रंप को बधाई देने के लिए उनसे फोन पर बात की थी।

इस्राइली प्रधानमंत्री के कार्यालय के बयान में कहा गया, 'बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि अमेरिका वैश्विक स्वतंत्रता का संरक्षक है और इस्राइल दोनों देशों के बीच करीबी संबंधों को बेहद महत्व देता है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू और राष्ट्रपति ट्रंप ने जल्द ही अमेरिका में मुलाकात करने पर सहमति जताई। ' प्रस्तावित बैठक ऐसे समय में हो रही है जब ट्रंप और नेतन्याहू के बीच युद्ध और क्षेत्रीय नीतियों को लेकर मतभेद बढ़ने की खबरें सामने आई हैं। एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी की बैठक के बाद ट्रंप के करीबी सलाहकारों में नेतन्याहू को लेकर संदेह बढ़ा है। एक अमेरिकी अधिकारी ने एक्सियोस से कहा, 'ट्रंप के कई करीबी सलाहकारों का मानना है कि बीबी (नेतन्याहू) हर मुद्दे पर गलत थे। '

## चीन के हथियारों का 'गेटवे' बना पाकिस्तान? रिपोर्ट में चार अरब डॉलर के रक्षा सौदे का दावा

**बीजिंग, एजेंसी।** चीन अपने रणनीतिक हितों को आगे बढ़ाने के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल एक माध्यम के रूप में कर रहा है। अमेरिका स्थित थिंक टैंक मिडिल ईस्ट फोरम की एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान और लीबियाई नेशनल आर्मी के बीच 16 जेएफ-17 लड़ाकू विमानों, प्रशिक्षण विमानों और अन्य सैन्य उपकरणों से जुड़ा 4 अरब डॉलर से अधिक का रक्षा सौदा इसी रणनीति का अहम उदाहरण माना जा रहा है। सौदा लीबिया पर संयुक्त राष्ट्र के हथियार प्रतिबंध को कमजोर कर सकता है। इसके अलावा, इससे देश के आंतरिक संघर्ष का सैन्य संतुलन बदलने और पूरे क्षेत्र में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने की आशंका भी जताई गई है। थिंक टैंक के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान और चीन के बीच रक्षा, सुरक्षा और खुफिया सहयोग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के आंकड़ों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2021 से 2024 के बीच पाकिस्तान के कुल हथियार आयात में 80

प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी चीन की रही। यह पाकिस्तान की बढ़ती निर्भरता और उसके रक्षा क्षेत्र में चीन की मजबूत होती पकड़ को दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान अब भी अमेरिकी मूल के एफ-16 फाइटिंग फाल्कन लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल करता है और समय-समय पर अमेरिका से सैन्य सहायता भी प्राप्त करता है। इसके बावजूद उसकी सैन्य क्षमता का बड़ा हिस्सा अब चीनी हथियारों पर आधारित हो चुका है। पाकिस्तान, चीन के साथ संयुक्त रूप से विकसित जेएफ-17 लड़ाकू विमान, चीनी ड्रोन, एचक्यू-9 वायु रक्षा प्रणाली और अन्य रक्षा उपकरणों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है।

# आजादी का जश्न छोड़ मुस्लिम जलसे में पहुंचीं न्यूयॉर्क मेयर की पत्नी रमा दुवाजी

**अल्बानी, एजेंसी।** न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी एक तरफ जहां अमेरिका के 250वें स्थापना दिवस के आधिकारिक कार्यक्रमों में मशगूल हैं, वहीं उनकी पत्नी रमा दुवाजी का स्पेन में होना नई राजनीतिक बहस छेड़ चुका है। यह सवाल हर किसी के जहन में है कि क्या देश के सबसे बड़े जश्न के दौरान उनका विदेश में रहना महज एक इत्तेफाक है, या फिर इसके पीछे कोई गहरी मंशा छिपी है?

रमा दुवाजी के दौरे पर सियासत तेज क्यों?

खबर है कि अमेरिका 250 के समारोहों से ठीक पहले, सीरियाई-अमेरिकी कलाकार रमा दुवाजी को नेवार्क लिबर्टी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर देखा गया था। वह स्पेन के पाल्मा, मैलोर्का की उड़ान भर रही थीं। मेयर जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क में ही रहकर पुलिस कमिश्नर जेसिका टिश के साथ सुरक्षा ब्रीफिंग और 'सेल250' परेड जैसे आयोजनों की शोभा बढ़ा रहे थे। वहीं, उनकी पत्नी का प्रमुख राष्ट्रीय पर्व के दौरान देश से बाहर रहने पर बवाल शुरू हो गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रमा दुवाजी 'द वूमेंस सैंक्चुअरी' की ओर से आयोजित 'प्लांट्स ऑफ द कुरान' नामक रिट्रीट में हिस्सा ले रही हैं। यह कार्यक्रम बुधवार से सोमवार तक चलेगा। वे न केवल इस रिट्रीट की होस्ट हैं, बल्कि इसकी 'आर्टिस्ट इन रेजिडेंस' भी हैं। इतना ही नहीं, वह नौ से 14 जुलाई तक फ्रांस के कोर्सिका में 'मैरी इन द कुरान' रिट्रीट में भी शामिल होंगी। सोशल मीडिया पर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर उन्हें इसी समय का चुनाव क्यों करना पड़ा? अचानक यात्रा: अमेरिका 250 के जश्न से ठीक पहले रमा का स्पेन जाना चर्चा का विषय बना।

**मेयर की मौजूदगी:** मेयर जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क में आधिकारिक आयोजनों में सक्रिय दिखे।

**राजनीतिक प्रतिक्रिया:** रिपब्लिकन काउंसिल सदस्यों ने इसे अमेरिका के प्रति उनकी नाराजगी से जोड़कर देखा।

**सुरक्षा का मुद्दा:** मेयर कार्यालय ने स्पष्ट किया कि उनके साथ कोई एनवाईपीडी सुरक्षा दल नहीं था। कॉमेडियन एरिन वेक्सलर ने इस यात्रा की तस्वीरें साझा कर निशाना साधा। क्वींस काउंसिलवुमन जोआन एरियोला ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा, 'अमेरिका 250 के जश्न को छोड़कर छुट्टी पर जाना रमा दुवाजी की अमेरिका विरोधी सोच को उजागर करता है।'

# अमेरिका की आजादी के 250 साल पूरे, ट्रंप बोले- साम्यवाद कैंसर की तरह, खात्मा जरूरी

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर चल रहे भव्य आतिशबाजी कार्यक्रम के दौरान एक बार फिर हल्की बारिश शुरू हो गई। पूरे दिन मौसम की खराबी के कारण कार्यक्रम प्रभावित रहा और लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि पिछले ढाई सौ वर्षों से अमेरिका पूरी दुनिया के लिए उम्मीद, विश्वास, रोशनी और गर्व का प्रतीक रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि ईश्वर की कृपा से देश आगे भी यही भूमिका निभाएगा और पहले से अधिक मजबूत बनेगा। ट्रंप ने कहा कि 4 जुलाई 1776 से लेकर 4 जुलाई 2026 तक अमेरिका ने दुनिया को दिखाया है कि वह अत्याचार पर जीत हासिल कर सकता है और आजादी की रक्षा कर सकता है। उन्होंने दावा किया कि आज अमेरिका पहले से अधिक मजबूत, स्वतंत्र, समृद्ध, सुरक्षित और आत्मविश्वास से भरा हुआ है।

ट्रंप ने 'सेव अमेरिका एक्ट' को बताया जरूरी, वोटिंग नियम सख्त करने की वकालत

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'सैल्यूट टू अमेरिका' कार्यक्रम के दौरान 'सेव अमेरिका एक्ट' को पारित कराने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि हर मतदाता के लिए नागरिकता का प्रमाण देना अनिवार्य होना चाहिए। ट्रंप ने डाक मतपत्रों को केवल बीमारी, दिव्यांगता, सैन्य तैनाती या यात्रा जैसी विशेष परिस्थितियों तक सीमित करने की बात कही। उनका दावा था कि इससे चुनाव में गड़बड़ी रुकेगी। हालांकि अमेरिकी सीनेट में रिपब्लिकन पार्टी के पास इस विधेयक को पारित कराने या फिलीबस्टर नियम खत्म करने के लिए आवश्यक समर्थन फिलहाल मौजूद नहीं है। ट्रंप बोले- साम्यवाद कैंसर की तरह, इसे शुरुआत में ही खत्म करना जरूरी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने संबोधन में साम्यवाद यानी कम्युनिज्म पर तीखा हमला

बोला। उन्होंने कहा कि साम्यवाद हमेशा असफल रहा है और यह अमेरिकी व्यवस्था के बिल्कुल विपरीत है। ट्रंप ने इसे कैंसर की तरह बताते हुए कहा कि ऐसे खतरे को शुरुआत में ही खत्म कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका कभी भी अपनी आजादी किसी के हाथ में नहीं जाने देगा और देश में साम्यवाद के लिए कोई जगह नहीं है। ट्रंप ने भाषण में अभिव्यक्ति की आजादी, धर्म की स्वतंत्रता और कानून के समक्ष समान न्याय जैसी संवैधानिक स्वतंत्रताओं का भी उल्लेख किया।

**ट्रंप परिवार और कैबिनेट के साथ वीआईपी मंच पर पहुंचेत्न** अमेरिका की आजादी के 250वें वर्ष के समारोह के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वॉशिंगटन डीसी के नेशनल मॉल स्थित वीआईपी मंच पर पहुंचे। यहां उनके साथ प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप, बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर और एरिक ट्रंप मौजूद रहे। बेटी टिफनी ट्रंप, पोती काई ट्रंप और बहू बेटीना ट्रंप भी वीआईपी क्षेत्र में दिखाई दीं। ट्रंप ने कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांश, होमलैंड सिक्योरिटी सचिव मार्कवेन मुलिन और प्रतिनिधि सभा के स्पीकर माइक जॉनसन से भी मुलाकात की।

### कई घंटे की देरी के बाद ट्रंप का भाषण शुरू

खराब मौसम के कारण कई घंटे की देरी के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वॉशिंगटन डीसी के नेशनल मॉल में अपना संबोधन शुरू कर दिया। हजारों लोगों की मौजूदगी में मंच पर पहुंचते ही ट्रंप ने कहा, 'गुड इवनिंग अमेरिका। अगर आपको लगता है कि यह आसान था, तो ऐसा नहीं था।' तेज बारिश और आंधी की चेतावनी के कारण कार्यक्रम में देरी हुई थी और लोगों को कुछ समय के लिए सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया था। मौसम सामान्य होने के बाद समारोह दोबारा शुरू किया गया। अमेरिका की आजादी के 250वें वर्ष के मुख्य समारोह की शुरुआत वॉशिंगटन डीसी के नेशनल मॉल में हो गई है। खराब मौसम के कारण हुई देरी के बावजूद बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम स्थल पर पहुंच चुके हैं। ट्रंप के मंच पर आने से पहले सांस्कृतिक और संगीत प्रस्तुतियां दी जा रही हैं। गायक क्रिस्टोफर मैकियो ने और ली ग्रीनवुड ने गीत प्रस्तुत कर माहौल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। अब कुछ ही देर में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्र को संबोधित करेंगे। अमेरिका की आजादी के 250वें वर्ष के समारोह से पहले वॉशिंगटन डीसी के नेशनल मॉल में मौसम और सुरक्षा व्यवस्था का असर साफ दिखाई दिया। दिन में जहां बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे, वहीं बारिश और सुरक्षा कारणों से कराए गए अस्थायी निकासी आदेश के बाद भीड़ काफी कम हो गई। दोबारा प्रवेश के लिए लोगों को फिर से सुरक्षा जांच से गुजरना पड़ा। इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोग राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संबोधन और भव्य आतिशबाजी का इंतजार करते हुए कार्यक्रम स्थल पर डटे रहे।

**फुटबॉल - नॉर्वे ने 2-1 से हराया, पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचा, इंग्लैंड भी जीता**

# ब्राजील फुटबॉल वर्ल्ड कप से बाहर, नेमार ने रिटायरमेंट लिया

**मैक्सिको।** 5 बार का चैंपियन ब्राजील फुटबॉल वर्ल्ड कप से बाहर हो गया। नॉर्वे ने सोमवार को प्री क्वार्टर फाइनल में ब्राजील को 2-1 से हराया। नॉर्वे पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचा है। अब उसका मुकाबला इंग्लैंड से होगा। इंग्लिश टीम ने मेजबान मैक्सिको को 3-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार ने इस हार के बाद संन्यास ले लिया। उन्होंने अमेरिका के न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में ब्राजील की ओर से एकमात्र गोल किया। नॉर्वे की ओर से दोनों गोल एरलिंग हालैंड ने दागे। 34 साल नेमार ने कहा, 'मैंने पूरी कोशिश की। मेरा सफर यहीं से शुरू हुआ था और अब यहीं खत्म हो गया। ब्राजील के लिए मेरा अध्याय अब खत्म हो चुका है।' उन्होंने 2010 में इसी मैदान (तत्कालीन मेटलाइफ स्टेडियम) पर अमेरिका के खिलाफ ब्राजील के लिए डेब्यू किया था।

## पेनल्टी पर गोल नहीं कर सका ब्राजील

ब्राजील के पास पहले हाफ में 15वें मिनट के करीब बढ़त लेने का मौका मिला। वीडियो असिस्ट रीव्यू यानी ड्ढक्रके बाद टीम को पेनल्टी मिली, लेकिन ब्रूनो गुइमारेस का शॉट नॉर्वे के गोलकीपर ऑर्जन नीलैंड ने डाइव लगाकर रोक दिया। नीलैंड ने गेब्रियल मार्टिनेली और विनीसियस जूनियर की कोशिशें नाकाम कीं और पहले हाफ में स्कोर 0-0 बनाए रखा।

## नेमार ने एक गोल किए

इंजरी टाइम के 10वें मिनट में नेमार ने पेनल्टी पर गोल कर स्कोर 2-1 जरूर किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। यह गोल सिर्फ हार का अंतर कम कर सका। ब्राजील 1990 के बाद पहली बार वर्ल्ड कप से इतने शुरुआती चरण में बाहर हुआ।

## नेमार का इंटरनेशनल करियर खत्म

लगातार चोटों से जूझ रहे नेमार इस वर्ल्ड कप में सिर्फ दो मैच खेल सके। नॉर्वे के खिलाफ वे दूसरे हाफ में उतरे और पेनल्टी पर गोल किया। ब्राजील के कप्तान मार्किन्योस ने कहा, 'अब नई पीढ़ी के खिलाड़ियों का समय है। हमें उम्मीद है कि ब्राजील के फैंस उन्हें धैर्य और पूरा समर्थन देंगे।'

**नेमार ने मैच के बाद इंटरनेशनल फुटबॉल से रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया। वे क्लब फुटबॉल खेलते रहेंगे। अभी उनका कॉन्ट्रैक्ट सैंटोस स्नष्ट के साथ है।**

ब्राजील के नेमार हार से निराश होकर मैदान पर घुटनों के बल बैठ गए।

## हालैंड ने 72वें मिनट में पहला गोल किया

दूसरे हाफ में ब्राजील के युवा स्ट्राइकर एंड्रिक ने आसान मौका गंवाया। इसके बाद नॉर्वे ने जवाबी हमला बोला। 72वें मिनट में एंड्रियास शेल्डरप ने बाएं छोर से बेहतरीन क्रॉस दिया, जिस पर हालैंड ने जोरदार हेडर लगाकर नॉर्वे को 1-0 की बढ़त दिलाई। इंजरी टाइम से ठीक पहले हालैंड ने दूसरा गोल करते हुए डिफेंडर डेनिलो के पैरों के बीच से गेंद निकालकर गोल दागा और स्कोर 2-0 कर दिया। यह इस टूर्नामेंट में उनका छठा और सातवां गोल रहा। इसके साथ ही वह गोल्डन बूट की दौड़ में लियोनेल मेसी और किलियन एमबाप्पे की बराबरी पर पहुंच गए।

## 4 वर्ल्ड कप में गोल करने की पेले की बराबरी की

नेमार ने 130 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। ब्राजील के लिए उनसे ज्यादा मैच सिर्फ काफू (142) ने खेले। अपने अंतिम मैच में गोल कर नेमार ने दिग्गज पेले के एक रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली है। दोनों खिलाड़ियों ने 4-4 फीफा वर्ल्ड कप में गोल किए हैं। नेमार अंतरराष्ट्रीय गोल करने के मामले में पेले से तीन गोल आगे हैं। पेले के नाम 77 गोल हैं। जबकि नेमान के नाम 80 गोल हैं।

## नॉर्वे की टीम ने जीत के बाद वाइकिंग रो सेलिब्रेशन किया।

जूड बेलिंगहैम ने 36वें और 38वें मिनट में लगातार दो गोल कर इंग्लैंड को 2-0 की बढ़त दिलाई। हाफ टाइम से पहले जूलियन क्विनोनेस ने मेक्सिको के लिए एक गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया। 54वें मिनट में क्वांसा को रेड कार्ड मिला। इसके बावजूद 60वें मिनट में हैरी केन ने पेनल्टी पर गोल कर इंग्लैंड की बढ़त 3-1 कर दी। 69वें मिनट में राउल जिमेनेज ने पेनल्टी पर गोल कर अंतर 3-2 किया, लेकिन मेक्सिको बराबरी नहीं कर सका। क्वांसा वर्ल्ड कप में रेड कार्ड पाने वाले इंग्लैंड के चौथे खिलाड़ी बने। उनसे पहले 1986 में रे विल्किंस, 1998 में डेविड बेकहम और 2006 में वेन रूनी को वर्ल्ड कप में रेड कार्ड मिला था।

## ब्रीफ न्यूज

### विराट अभी भी टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने में सक्षम : कपिल

**चंडीगढ़।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेट खेलते रहना था। कपिल के



अनुसार विराट का समय से पहले इस प्रारुप से संन्यास का फैसला सही नहीं था। उन्होंने कहा कि वह विराट के इस कदम से बिल्कुल भी खुश नहीं थे। साथ ही कहा कि कोहली अभी भी टेस्ट क्रिकेट खेलने और भारतीय टीम में वापसी करने की पूरी क्षमता मौजूद थी। कपिल ने इस बात पर जोर दिया कि उनके लिए यह मायने नहीं रखता कि विराट 10 हजार टेस्ट रन पूरे करते या नहीं। उनका मानना है कि अगर विराट कुछ समय तक धैर्य दिखाते और अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखते, तो वह निश्चित रूप से दोबारा भारतीय टेस्ट टीम में जगह बना सकते थे।

### प्रज्ञानंद संयुक्त तीसरे स्थान पर रहे, गुकेश छठे; अलीरेजा फिरूजा बने चैंपियन

भारत के ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंद ने ग्रैंड चेस टूर के क्रोएशियाई चरण



के अंतिम दिन शानदार वापसी करते हुए संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर प्रतियोगिता समाप्त की। वहीं फ्रांस के अलीरेजा फिरूजा ने टाईब्रेक में जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। फिरूजा और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने निर्धारित मुकाबलों के बाद 23.5-23.5 अंक हासिल किए। इसके बाद हुए टाईब्रेक में शुरुआती दो मुकाबले ड्रॉ रहे। अंततः आर्मागेडन मुकाबले में काले मोहरों से खेलते हुए फिरूजा ने ड्रॉ हासिल किया और नियमों के अनुसार चैंपियन घोषित किए गए। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंद ने कुल 21.5 अंक जुटाए और फ्रांस के मैक्सिम वाशिए-लाग्रेव के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर रहे। अंतिम दिन की शुरुआत प्रज्ञानंद ने जर्मनी के विन्सेंट कीमर के खिलाफ हार से की, लेकिन इसके बाद शानदार वापसी करते हुए अंतिम आठ बाजियों में छह अंक हासिल किए। इस दौरान उन्होंने चैंपियन बने फिरूजा को भी हराया। हालांकि उन्हें एक और हार हमवतन डी. गुकेश के खिलाफ झेलनी पड़ी।

### टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक बार शून्य पर आउट हुए पांच क्रिकेटरों में भारत के ईशांत भी शमिल

**मुम्बई ।** टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले 5 खिलाड़ियों में एक भारतीय ईशांत शर्मा भी शामिल है। टेस्ट में



सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने का अनचाहा रिकार्ड वेस्टइंडीज के कर्टनी वॉल्श के नाम है। इसके अलावा इस सूची में इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड, न्यूजीलैंड के क्रिस मार्टिन और ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्ग्रा के नाम भी शामिल हैं। कर्टनी वॉल्श : महान तेज गेंदबाज वॉल्श ने अपनी घातक गेंदबाजी से दुनिया भर के बल्लेबाजों में डर पैदा किया पर अपनी बल्लेबाजी में उनके नाम एक ऐसा अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज है जिसे वह भूलना चाहेंगे। साल 1984 से 2001 तक चले अपने करियर में वॉल्श रिकॉर्ड 43 बार शून्य पर आउट हुए। 132 टेस्ट मैचों की 185 पारियों में उन्होंने कुल 936 रन बनाए, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 30 रन रहा और बल्लेबाजी औसत 7.54 का रहा।

## वेस्टइंडीज की वापसी, श्रीलंका से 231 रन पीछे

**क्रिकेट - होप और ग्रीव्स के बीच 174 रनों की नाबाद पार्टनरशिप**

**नईदिल्ली।** श्रीलंका और वेस्टइंडीज के बीच खेले जा रहे टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज ने मैच में मजबूत वापसी कर ली।शाई होप और जस्टिन ग्रीव्स पांचवें विकेट के लिए नाबाद 174 रन जोड़कर टीम को संकट से बाहर ले आए। दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज पहली पारी में श्रीलंका से 231 रन पीछे है और फॉलो-ऑन टालने के लिए उसे सिर्फ 31 रन और चाहिए। तीसरे दिन स्टंप्स के समय शाई होप 173 गेंदों पर 86 रन और जस्टिन ग्रीव्स 162 गेंदों पर 85 रन बनाकर क्रीज पर नाबाद हैं। दोनों के बीच शतकीय साझेदारी हो चुकी है। श्रीलंका ने अपनी पहली पारी 549/9 के स्कोर पर घोषित की थी।

### सुबह कैंपबेल का विकेट, फिर मैच पलटा

एक विकेट पर 58 रन से आगे खेलते हुए श्रीलंका ने लंच तक 2 विकेट के नुकसान पर 138 रन बना लिए थे। दिन की शुरुआत में जॉन कैंपबेल और कावेम हॉज ने 234 गेंदों में 89 रन जोड़े। लंच से पहले असिथा फर्नांडो ने कैंपबेल को आउट कर श्रीलंका को सफलता दिलाई। लंच के बाद जयसूर्या ने दो विकेट लेकर दबाव बनाया, लेकिन होप और ग्रीव्स की साझेदारी ने श्रीलंका की वापसी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

### 141 रन पर 4 विकेट, फिर होप-ग्रीव्स ने संभाला मोर्चा

लंच के बाद प्रभात जयसूर्या ने आमिर जांगू और कावेम हॉज को आउट कर वेस्टइंडीज का स्कोर 141/4 कर दिया। आमिर जांगू ने 9 और कावेम हॉज ने 31 रन बनाए। इसके बाद होप और ग्रीव्स ने बिना जोखिम उठाए बल्लेबाजी की और दिन खत्म होने तक अटूट 174 रन जोड़ दिए। स्टंप्स के समय होप 86 और ग्रीव्स 85 रन बनाकर नाबाद थे।

### धीमी बल्लेबाजी से श्रीलंका को किया बेअसर

दोनों बल्लेबाजों ने धैर्य के साथ बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका के गेंदबाजों को लंबा स्पेल फेंकने पर मजबूर किया। पिच से ज्यादा मदद नहीं मिलने के कारण श्रीलंकाई गेंदबाज इस साझेदारी को नहीं तोड़ सके।

## सेरेना, लेब्रन जैसे खिलाड़ी बदल रहे उम्र की परिभाषा

**द न्यू यॉर्क ।** 40 साल की उम्र आम लोगों के लिए अक्सर शरीर की सीमाओं का अहसास कराने लगती है, लेकिन खेल की दुनिया में तस्वीर तेजी से बदल रही है। कभी जिस उम्र को खिलाड़ियों के करियर का अंत माना जाता था, अब वही उम्र नई मिसालें गढ़ रही है। इसकी सबसे ताजा तस्वीर विम्बलडन में दिखी, जहां 44 वर्षीय सेरेना विलियम्स ने करीब चार साल बाद सिंगल्स कोर्ट पर वापसी की।



23 ग्रैंड स्लैम सिंगल्स खिताब जीत चुकी सेरेना ओपन एरा में विम्बलडन के मुख्य ड्रॉ में खेलने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी बनीं। उनकी बड़ी बहन 46 वर्षीय वीनस विलियम्स भी डबल्स में उतर रही हैं। यानी उम्र बढ़ी है, लेकिन चुनौती लेने का जज्बा नहीं।

यह बदलाव सिर्फ टेनिस तक सीमित नहीं है। 2026 फीफा वर्ल्ड कप में रिकॉर्ड आठ खिलाड़ी 40 साल या उससे ज्यादा उम्र के रहे। इससे पहले खेले गए सभी वर्ल्ड कप मिलाकर भी इतने 40+ खिलाड़ी नहीं उतरे थे। 41 वर्षीय लुईस हैमिल्टन अब भी फॉर्मूला-1 में पोडियम फिनिश कर रहे हैं, जबकि 41 साल के बास्केटबॉल स्टार लेब्रन जेम्स एनबीए में अब भी अपनी टीम के सबसे अहम खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। 39 वर्षीय लियोनेल मेसी अपने छठे वर्ल्ड कप में 7 गोल कर चुके हैं।

### भारतीय युवा पहलवानों का दमदार प्रदर्शन, एशियाई चैंपियनशिप में जीते 20 पदक; चार स्वर्ण शामिल

**नईदिल्ली।** थाईलैंड के पटाया में आयोजित अंडर-20 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय पहलवानों ने 20 पदक जीते। इनमें चार स्वर्ण, सात रजत और नौ कांस्य पदक शामिल हैं। भारतीय पहलवानों ने अंडर-20




एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण सहित 20 अपने नाम किए जिसमें सात रजत और नौ कांस्य पदक शामिल है। भारत ने चैंपियनशिप के महिला कुश्ती और पुरुष फ्रीस्टाइल में ओवरऑल टीम रैंकिंग में भी शीर्ष तीन में जगह पक्की की। महिला कुश्ती में भारतीय टीम 184 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही जो चैंपियन चीन (189 अंक) से थोड़ा ही कम था। जापान (142 अंक) तीसरे स्थान पर रहा। पुरुष फ्रीस्टाइल टीम तीसरे स्थान पर रही भारतीय पुरुष फ्रीस्टाइल टीम 152 अंकों तीसरे स्थान पर रही।

### राहुल द्रविड़ के बेटे की फिफ्टी के बावजूद भारत हारा

**मुंबई।** भारत -19 को दूसरे यूथ वनडे में श्रीलंका -19 ने 8 विकेट से हरा दिया। राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ ने 67 गेंदों पर 87 रन बनाए, लेकिन उनकी पारी टीम को जीत नहीं दिला सकी। श्रीलंका के ओपनर दिमंथा महाविथाना ने नाबाद 155 रन की मैच जिताऊ पारी खेली।

इस जीत के साथ तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। 4 जुलाई को पहला वनडे भारत ने 4 विकेट से जीता था।। हंबनटोटा में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 47.2 ओवर में 285 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका ने 48 ओवर में 2 विकेट पर 291 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

**विंबलडन - ओसाका ने दुनिया की नंबर-1 सबालेंका को हराया**

# सिनर लगातार पांचवीं बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

**मुंबई।** दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में जापान के शिंटारो मोचिजुकी को 6-3, 7-6(0), 6-3 से हराकर लगातार पांचवीं बार क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। सिनर अब ओपन एरा में ग्रास कोर्ट मेजर के पांच क्वार्टर फाइनल खेलने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं।

दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 में अपनी शानदार लय बरकरार रखते हुए जापान के क्वालिफायर शिंटारो मोचिजुकी को सीधे सेटों में 6-3, 7-6(0), 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इसके साथ ही सिनर लगातार पांचवीं बार विंबलडन के अंतिम-8 में पहुंचने में सफल रहे। वहीं, जापान की स्टार खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने सेंटर कोर्ट पर शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को सीधे सेटों में 6-2, 7-6(2) से हराकर पहली बार टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

### मोचिजुकी ने दी कड़ी टक्कर

हालांकि स्कोरलाइन एकतरफा दिखती है, लेकिन मुकाबले में मोचिजुकी ने कई मौकों पर सिनर को परेशान किया। पहले सेट में उन्होंने शुरुआती ब्रेक प्वाइंट बनाया, लेकिन सिनर ने उसे बचाते हुए जल्द ही उनकी सर्विस तोड़ दी और 6-3 से सेट अपने नाम कर लिया। दूसरा सेट सबसे रोमांचक रहा। मोचिजुकी ने शानदार सर्विस और दमदार डिफेंस के दम पर मुकाबले को 4-4 तक बराबरी पर बनाए रखा। लंबे रैलियों में उन्होंने सिनर को लगातार चुनौती दी और कई बार इतालवी खिलाड़ी को निराश भी किया। हालांकि टाई-ब्रेक में सिनर का अनुभव काम आया और उन्होंने बिना कोई अंक गंवाए 7-0 से टाई-ब्रेक जीत लिया। इसके बाद तीसरे सेट में सिनर ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और 6-3 से सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। ओसाका ने किया टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर वहीं, सिर्फ एक घंटा 28 मिनट तक चले इस मुकाबले में ओसाका शुरुआत से ही पूरी तरह हावी नजर आई। उन्होंने दमदार सर्विस और आक्रामक ग्राउंड स्ट्रोक्स से सबालेंका को लय पकड़ने का मौका ही नहीं दिया। ओसाका ने पहले सेट में लगातार दबाव बनाए रखा और 6-2 से आसानी से जीत दर्ज की। दूसरे सेट में सबालेंका ने वापसी की कोशिश की और मुकाबले को टाई-ब्रेक तक पहुंचाया, लेकिन वहां भी ओसाका ने शानदार खेल दिखाते हुए 7-2 से टाई-ब्रेक जीत लिया और मैच अपने नाम कर लिया।

**मैच के बाद नोवाक जोकोविच ने रोमान सफीउलिन से गले मिला**

# वन महोत्सव के अवसर पर कृषि महाविद्यालय बेमेतरा में हुआ व्यापक वृक्षारोपण

## राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विद्यार्थियों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प



**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

वन महोत्सव सप्ताह के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रेवेन्द्र सिंह वर्मा कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, ढोलिया (बेमेतरा) में मंगलवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अनूप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता डॉ. अनूप कुमार सिंह ने कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन के आधार हैं। वृक्ष न केवल हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि जल संरक्षण, मृदा संरक्षण, जैव विविधता के संरक्षण तथा पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनका संरक्षण करने का संकल्प लेना चाहिए।

उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि केवल पौधारोपण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण करना भी प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधे का रोपण कर उसका संरक्षण सुनिश्चित करे, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों, छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सभी प्रतिभागियों ने वृक्षों की नियमित देखभाल करने तथा अधिक से अधिक लोगों को पौधारोपण के लिए प्रेरित करने का संकल्प भी लिया।

इस अवसर पर डॉ. यू. के. ध्रुव, डॉ. असित कुमार, कुंती बंजारे, डॉ. भारती बघेल, डॉ. हेमलता निराला, डॉ. प्रीति पैंकरा, डॉ. साक्षी बजाज, श्रीमती प्रतिभा सिंह, डॉ. सरिता शर्मा, डॉ. महानंद, डॉ. रामेश्वर, श्री संजीव गुर्जर सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

महाविद्यालय प्रशासन ने बताया कि वन महोत्सव के अंतर्गत भविष्य में भी पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित हो और हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

# ऑनलाइन श्री हनुमान चालीसा पाठ की 50वीं कड़ी श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न



**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

माँ भद्रकाली जिला मानस संघ, बेमेतरा के नेतृत्व एवं मानस दर्शन की प्रेरणा से संचालित ऑनलाइन सामूहिक श्री हनुमान चालीसा पाठ की 50वीं कड़ी श्रद्धा, भक्ति और उत्साहपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस विशेष अवसर पर जय माँ कर्मा महिला मानस मंडली, नगर कुसमी ने मधुर एवं भक्तिमय सांगीतिक प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को आध्यात्मिक रंग से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम का संचालन अदालत साहू ने किया। इस दौरान हरिराम साहू ने श्री हनुमान चालीसा की प्रसिद्ध चौपाई ÷तुम्हरे मंत्र विभीषण माना÷ पर सारगर्भित आध्यात्मिक व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि भगवान श्रीहनुमान के उपदेशों का अनुसरण कर विभीषण ने धर्म और सत्य का मार्ग अपनाया तथा अंततः लंका का राज्य प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि श्रीहनुमान के आदर्श आज भी मानव जीवन के लिए प्रेरणास्रोत हैं। वक्ताओं ने बताया कि माँ भद्रकाली जिला मानस संघ, बेमेतरा द्वारा सनातन संस्कृति, धर्म और आध्यात्मिक चेतना के प्रसार के उद्देश्य से लगातार रचनात्मक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। ऑनलाइन श्री हनुमान चालीसा पाठ की यह श्रृंखला समाज में धार्मिक जागरूकता और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का प्रभावी माध्यम बन चुकी है। कार्यक्रम में संघ के अध्यक्ष देवलाल सिंहा सहित छगन साहू, नरेंद्र जायसवाल, विष्णु साहू, महेश साहू, हरिराम साहू, सुनैना साहू, ममता साहू, बीना साहू, अदालत साहू, माखन साहू, ललित साहू, बिहारीलाल यदु, सनत कुमार साहू, डोमन साहू, शिवकुमारी पाल तथा संघ के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल हुए। बड़ी संख्या में श्रद्धालु ऑनलाइन जुड़कर श्रीहनुमान जी की आराधना में सहभागी बने और सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन पर जय माँ कर्मा महिला मानस मंडली, सभी प्रतिभागियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

# आबकारी टीम ने अवैध शराब बेचने वाले गुड़ेली के 2 आरोपी क़ो भेजा जेल..



**सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका**

आबकारी आयुक्त पी एस एल्मा के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर पदमिनी भोई साहू और जिला आबकारी अधिकारी संतराम वर्मा के मार्गदर्शन में शनिवार को आबकारी विभाग वृत्त सारंगढ़ एवं बरमकेला द्वारा अवैध मदिरा के निर्माण एवं परिवहन के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। आरोपीयों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) एवं 59 (क) के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर जेल दाखिल कराया गया है। गुड़ेली लातनाला मार्ग पर संदिग्ध वाहनो की जाँच तलाशी में ग्राम गुड़ेली के दो आरोपीयों के दोपहिया वाहन में अवैध हाथभट्टी महुआ शराब का परिवहन किये जाने पर विधिवत कार्यवाही की गई। इसमें आरोपी अमृतलाल यादव पिता धनीराम से 25 लीटर शराब व बाईक हीरो एचएफ डीलक्स क्रमांक सीजी 13 यूजे 5448 और आरोपी बरातू मांझी पिता धरमू से 30 लीटर शराब व बाईक टीवीएस एक्सल 100 क्रमांक सीजी 13 एएन 8190 जप्त किया गया। इस कार्यवाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी आनंद वर्मा, आबकारी उपनिरीक्षक रामेश्वर सिंह राठिया एवं हमराह स्टाफ का उल्लेखनीय योगदान रहा।

# मानसून के मद्देनज़र बेमेतरा में बाढ़ नियंत्रण व्यवस्था सुदृढ़, जिला, अनुविभाग एवं तहसील स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त

## आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य होंगे त्वरित एवं समन्वित

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

मानसून के दौरान संभावित बाढ़, अतिवृष्टि एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने तथा राहत एवं बचाव कार्यों को त्वरित एवं समन्वित रूप से संचालित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन बेमेतरा ने जिला, अनुविभाग एवं तहसील स्तर पर बाढ़ नियंत्रण हेतु नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, महानदी भवन, नवा रायपुर के निर्देशों के अनुरूप तथा राज्य स्तर पर गठित उच्च स्तरीय बाढ़ नियंत्रण समिति द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के पालन में यह व्यवस्था लागू की गई है। इसका उद्देश्य मानसून अवधि के दौरान जिले में किसी भी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में त्वरित राहत, बचाव एवं समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करना है। जारी आदेश के अनुसार प्रकाश भारद्वाज, अपर कलेक्टर को जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उनसे आवश्यकता पड़ने पर मोबाइल नंबर 76468-07645 पर संपर्क किया जा सकता है। अनुविभाग स्तर पर डॉ. दिप्ती वर्मा, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), बेरला (मो. 98938-48950), सु पिंकी मनहर, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), साजा (मो. 79748-80334), मती दिव्या पोटाई, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), नवागढ़ (मो. 94255-99992) तथा प्रकाश भारद्वाज, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), बेमेतरा (मो. 76468-07645) को संबंधित अनुविभागों का बाढ़ नियंत्रण नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

इसी प्रकार तहसील स्तर पर अनिरुद्ध मिश्रा, तहसीलदार बेमेतरा (मो. 83059-33582), उस्थानी के. मानकर, तहसीलदार बेरला (मो. 97669-29639), विनोद बंजारे, तहसीलदार साजा (मो. 99261-15126), बलराम तंबोली, तहसीलदार नवागढ़ (मो. 93408-91242), के.आर. वासनिक, तहसीलदार भिंभौरी (मो. 94255-63654), मती सरिता मढ़रिया, तहसीलदार थानखम्हरिया (मो. 91317-39664), सुमीत देवांगन, तहसीलदार नांदघाट (मो. 87701-36120), सीताराम कंवर, तहसीलदार देवकर (मो. 62667-26535) तथा आर.के. घृतलहरे, तहसीलदार दाढ़ी (मो. 77459-77600) को बाढ़ नियंत्रण हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिला प्रशासन ने सभी नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र में वर्षा, नदी-नालों के जलस्तर, जलभराव एवं संभावित बाढ़ की स्थिति पर सतत निगरानी रखें। किसी भी आपात परिस्थिति में राहत एवं बचाव कार्य तत्काल प्रारंभ करते हुए राजस्व, पुलिस, स्वास्थ्य, लोक निर्माण, जल संसाधन, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, विद्युत तथा अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि मानसून के दौरान भारी वर्षा अथवा बाढ़ जैसी परिस्थितियों में अफवाहों पर ध्यान न दें, प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल संबंधित नोडल अधिकारी अथवा जिला प्रशासन से संपर्क कर आवश्यक सहायता प्राप्त करें। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि जन-धन की सुरक्षा एवं त्वरित राहत उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित कर ली गई हैं।

# मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना के अंतर्गत प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी

**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु आयोजित प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि उक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन 05 जुलाई 2026 को शासकीय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय, बेमेतरा में संपन्न हुआ था। प्रवेश परीक्षा का परिणाम कार्यालयीन समय में संबंधित कार्यालय में अवलोकन किया जा सकता है। परीक्षा परिणाम के संबंध में यदि किसी अभ्यर्थी अथवा अभिभावक को कोई दावा अथवा आपत्ति हो, तो वे आवश्यक साक्ष्य एवं अभिलेखों सहित 09 जुलाई 2026 तक कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित अभ्यर्थियों एवं अभिभावकों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने की अपील की है।

# बरसात में खुद नाली में उतरे पार्षद विकास तम्बोली, पांच घंटे तक की सफाई, नगरवासियों से स्वच्छता बनाए रखने की अपील



**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

पहली ही बारिश में वार्ड क्रमांक 11 में जलभराव की स्थिति बनने पर नगर पालिका के सभापति एवं पार्षद विकास तम्बोली स्वयं मैदान में उतर गए। उन्होंने सफाई कर्मचारी के साथ मिलकर करीब पांच घंटे तक बड़ी नाली से मलवा निकालकर सफाई की, जिससे गलियों का पानी मुख्य नाली के माध्यम से बाहर निकल सका और लोगों को राहत मिली। बताया गया कि तेज बारिश के कारण पंजाबी पारा, गंजपारा, दुर्ग रोड, गस्ती चौक, आरामिल गली, रायपुर रोड तथा मंडी क्षेत्र से लगी बड़ी नाली में पानी भर गया था। स्थिति को देखते हुए पार्षद विकास तम्बोली ने बारिश के बीच ही पूरे वार्ड का निरीक्षण किया और स्वयं नाली की सफाई में जुट गए।

इस दौरान उन्होंने कहा कि बरसात से पहले नालियों की नियमित सफाई कराई जानी चाहिए थी। उनका आरोप है कि कई बार अनुरोध करने के बावजूद वार्ड की बड़ी नालियों की समय पर सफाई नहीं हुई, जिसके कारण जलभराव की समस्या उत्पन्न हुई। उन्होंने नगर पालिका की सफाई व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यदि समय रहते सभी वार्डों में सफाई अभियान चलाया जाता तो ऐसी स्थिति नहीं बनती। पार्षद तम्बोली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता अभियान से प्रेरित होकर स्वच्छता के प्रति जनभागीदारी की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने वार्डवासियों और नगरवासियों से अपील की कि घरों का कचरा नालियों या सड़कों पर न फेंकें तथा नगर पालिका की ई-रिक्शा कचरा संग्रहण सेवा का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि नागरिकों के सहयोग से ही वार्ड और शहर को स्वच्छ एवं जलभराव मुक्त बनाया जा सकता है। स्थानीय लोगों ने पार्षद के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे जनप्रतिनिधि की सक्रियता और जिम्मेदारी का उदाहरण बताया तथा अन्य जनप्रतिनिधियों से भी ऐसे कार्यों से प्रेरणा लेने की बात कही।

# नगर पंचायत लवन में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्मदिवस के अवसर पर जयंती मनाई गई



**बलौदाबाजार/मूक पत्रिका**

ताराचंद कठोत्रे बलौदाबाजार। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जनसंघ के संस्थापक, राष्ट्रवादी नेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जयंती मनाई गई। पार्टी कार्यकर्ताओं ने नगर पंचायत लवन में मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर और उन्हें नमन किए।

इस मौके पर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने कार्यालय में सभा आयोजित किए, जिसमें डॉ. मुखर्जी के जीवन, उनके संघर्ष और उनके योगदान पर विशेष चर्चा की गई। भाजपा नेता विजय यादव ने सभा को संबोधित करते हुए बताया कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई 1901 को हुआ था। वे आशुतोष मुखर्जी के परिवार में दूसरी संतान के रूप में जन्मे थे। अत्यंत बुद्धिमान और प्रखर विद्वान डॉ. मुखर्जी ने उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद कोलकाता विश्वविद्यालय के कुलपति पद का दायित्व निभाया। उन्होंने विश्वविद्यालय में कई सुधार किए और अंग्रेजों की गुलामी के प्रतीक चिन्ह को बदलकर भारतीय संस्कृति का प्रतीक खिलते कमल के मध्य श्री लिखवाया- इस अवसर पर नगर पंचायत लवन अध्यक्ष शिव मंगलम शिंह चौहान जिला महामंत्री विजय यादव ,मंडल अध्यक्ष अनुपम बाजपेयी ,उपाध्यक्ष तोषकुमार यादव ,मंडल महामंत्री चन्द्रभूषण वर्मा ,मिडिया प्रभारी अमित वर्मा ,किसान मोर्चा उपाध्यक्ष योगेश साहू ,युवा मोर्चा उपाध्यक्ष सुमेन्द्र बार्वे ,युवा मोर्चा महामंत्री विजय साहू ,कोषाध्यक्ष युवा मोर्चा अजय साहू , एल्डरमैन चुणामणी सिंघम ,अ.जा.मोर्चा मिडिया प्रभारी मुकेश बंजारे , रोहित साहू , अभिनेष रजक , रामलाल धीवर , ओमप्रकाश निषाद आदि उपस्थित रहे।

## शिवसेना,,,B,T पार्टी ने कहा रायपुर के नकटी गांव में

# प्रशासन द्वारा गरीबों के मकान तोड़े जाने पर विरोध जताया



**बेमेतरा/मूक पत्रिका**

शिवसेना छ, ग, प्रदेश महासचिव दाऊ राम चौहान ने कहा कि रायपुर से लगा हुआ नकटी ग्राम में प्रशासन द्वारा गरीबों का मकान तोड़े जाने के विरोध एवं पीड़ितों के अभिलंब पुनर्वास व मुआवजे के संबंध में मुख्यमंत्री के नाम से बेमेतरा जिला कलेक्टर प्रतिष्ठा मंमगाई को ज्ञापन सौंपा आगे चौहान ने बताया कि शिवसेना पार्टी प्रमुख डॉ आनंद मल्होत्रा के आदेशन अनुसार पत्र प्रेषित कर चौहान ने अत्यंत खेद और आक्रोश के साथ हम आपका ध्यान रायपुर के समीप ग्राम नकटी में हाल ही में प्रशासन द्वारा की गई अमानवीय और दमनकारी कार्यवाही की ओर आकर्षित करना चाहते हैं भारी बारिश के इस संवेदनशील मौसम में बिना किसी ठोस वैकल्पिक व्यवस्था के प्रशासन द्वारा पुलिस बल के दम पर लगभग 80, 85 गरीब मजदूर और आदिवासी परिवारों के आशियानों पर बुलडोजर चला दिया गया इस अमानवीय कृत्य के विरोध में शिवसेना,, उद्धव बालासाहेब ठाकरे,, छत्तीसगढ़ इकाई निम्नलिखित बिंदुओं पर आपके त्वरित हस्तक्षेप और न्याय की मांग करती है, 1 बारिश के मौसम मे अमानवीय कार्यवाई, इस कड़कड़ाती बिजली और भारी बारिश के मौसम में छोटे बच्चों महिलाओं और बुजुर्गों को बेघर करना पूरी तरह से संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है प्रशासन ने मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन किया है 2 सरकारी योजनाओं के मकान को तोड़ना तोड़े गए मकानों में से कई मकान प्रधानमंत्री आवास योजना एवं इंदिरा आवास योजना के तहत स्वीकृत थे जिन्हें शासन ने ही वैध मानकर राशि जारी की थी स्वयं सरकार द्वारा स्वीकृत मकानों को अवैध बताकर तोड़ना बेहद विरोधाभासी और निंदनीय हैं 3 गौचर भूमि के नाम पर वी,आई,पी कॉलोनी का खेल, ग्रामीणों को यह कहकर बेदखल किया गया है की जमीन चरगाण,,गौचर,, की है जबकि धरातल पर चर्चा है की इस बेशकीमती जमीन को खाली करा कर वहां वी,आई,पी,, सांसदों, विधायकों,, के लिए कॉलोनी बनाने की योजना है गरीबों का पेट काटकर रसूखदारों को उपकृत करना न्याय संगत नहीं है

**हमारी प्रमुख मांगे** -तात्कालिक पक्का आवास जितने भी परिवारों के मकान तोड़े गए हैं उन्हें नवा रायपुर या समीप के क्षेत्र में तत्काल प्रभाव से पक्के मकान,,श्ङ्कस् आवास ,, निशुल्क आवंटित किए जाऐ,, पार्टी के प्रदेश महासचिव दाऊ राम चौहान ने छ,ग, शासन प्रशासन से मांग करता है कि उचित आर्थिक मुआवजा बेघर हुए परिवारों के सामान, घरेलू संपत्ति और मकान के नुकसान का सही आकलन कर उन्हें अविलंब उचित आर्थिक मुआवजा दिया जाए

**कार्रवाई पर तुरंत रोक,,**वर्षा ऋतु को देखते हुए प्रदेश में इस प्रकार की किसी भी बेदखली या ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर आगामी 4 महीनो के लिए तुरंत रोक लगाई जाए

**दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई,,**बिना किसी ठोस, पुनर्वास नीति के मानसून के दौरान ऐसी कार्रवाई का आदेश देने वाले जिम्मेदार अधिकारियों की जवाब देही तय की जाए शिवसेना, ,क्वज्ञ, पार्टी मांग करती है कि शासन जनता की सरकार होने का परिचय दें न की पूंजीपतियों या रसूखदारों की यदि पीड़ितों को शीघ्र पूर्ण न्याय सम्मानजनक आवास और मुआवजा नहीं मिला तो शिवसेना,क्वज्ञ, पार्टी जनता के हक के लिए उग्र आंदोलन और जेल भरो आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी




स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।